दैनिक हिन्दी अख़बार

सच बेधड़क

www.sachbedhadak.com | twitter.com/sachbedhadak | facebook.com/sachbedhadak
YouTube: youtube.com/@sachbedhadak | Instagram: instagram.com/sach_bedhadak

वर्ष: 3 । अंक: 255 जयपुर, शनिवार, 24 अगस्त, 2024 । भाद्रपद, कृष्ण पक्ष-पंचमी, विसं 2081 पृष्ठ: 10 । मूल्य: 2.00

जरूरी खबर

डीजीसीए ने एयर इंडिया पर लगाया 90 लाख जुर्माना

नई दिल्ली। एविएशन रेगुलेटर नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (DGCA) ने टाटा ग्रुप की एयरलाइन एयर इंडिया पर 90 लाख रुपए जुर्माना लगाया है। एयर इंडिया ने नॉन-क्वालिफाइड क्रू मेंबर्स के साथ उड़ान भरी थी। कंपनी के डायरेक्टर ऑफ ऑपरेशंस और डायरेक्टर ऑफ ट्रेनिंग पर भी क्रमशः 6 लाख और 3 लाख रुपए का फाइन लगाया है। DGCA ने संबंधित पायलट को चेतावनी भी दी गई है, ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। DGCA ने कहा, 'एयर इंडिया लिमिटेड की एक फ्लाइट को नॉन-ट्रेनर लाइन कैप्टन ने ऑपरेट किया। इससे यात्रियों की सुरक्षा प्रभावित हो सकती थी।'

BNS की धारा 479 के जेल अधीक्षकों को निर्देश

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने शुक्रवार को सुप्रीम कोर्ट को बताया कि भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 (BNS) की धारा 479 को 1 जुलाई से पहले दर्ज किए गए सभी विचाराधीन मामलों में लागू किया जाएगा। जस्टिस हिमा कोहली और संदीप मेहता की बेंच ने देशभर के जेल अधीक्षकों से कहा- वे धारा 479 में दी गई हिरासत की अवधि का एक तिहाई समय पूरा कर चुके कैदियों के आवेदनों पर कार्रवाई करें। इसे 3 महीने के अंदर निपटाएं। दरअसल, सुप्रीम कोर्ट ने देश की जेलों में भीड़भाड़ से निपटने के लिए अक्टूबर 2021 में नजर बनाए हुए है।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार

अख़बार की प्रति प्राप्त करने के लिए
+91 96640 14179
+91 97830 45155
पर सम्पर्क कर अपना पता नोट करवाएं।

केन्द्रीय वित्त मंत्री ने उदयपुर में जीएसटी भवन का किया उद्घाटन, आइस टैब एप भी किया लॉन्च

अधिकारी हमेशा करदाता के प्रति रहें सकारात्मक: सीतारमण

बेधड़क | जयपुर/उदयपुर

केंद्रीय वित्त और कॉर्पोरेट कार्य मंत्री निर्मला सीतारमण ने शुक्रवार को उदयपुर में हिरणमगरी सेक्टर 14 में नवनिर्मित जीएसटी भवन का दीप प्रज्वलन के फीता काटकर लोकार्पण किया। इस मौके पर समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि करदाताओं की सहूलियत के लिए 2019 से ही जीएसटी के कार्यालयों को सुविधाजनक बनाया जा रहा है। इससे करदाताओं के मन में कोई सवाल हो या कोई समस्या हो तो आसानी से उनका समाधान करा सके। उन्होंने कहा कि अधिकारी और करदाताओं के बीच माहौल सकारात्मक होने से समस्या के समाधान करने में दिक्कत नहीं आएगी। जीएसटी कौंसिल में भी अधिकारी और मंत्री समस्याओं का तत्काल समाधान कर रहे हैं। वित्त मंत्री ने कहा कि यहां के सीमेंट, टायर, फर्टिलाइजर्स, उद्योग एवं खनिज क्षेत्र का जीएसटी में बड़ा योगदान है, लेकिन अब छोटे उद्योग भी विकसित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि अब मोबाइल एप के आने से एक्सपोर्ट-इम्पोर्ट में मदद मिली है। उदयपुर में सबसे ज्यादा जीएसटी रेवन्यू जिंक से आता है इसके अलावा कोल्ड ड्रिंक और पान मसाला से भी काफी मात्रा में जीएसटी आता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी का प्रभावी क्रियान्वयन होना चाहिए और अधिकारी करतदाता के प्रति सकारात्मक रहे, जिससे कठोर कदम उठाने की आवश्यकता ही न पड़े। उन्होंने कहा कि आज जो आइस टैब एप लॉंच किया है, इससे आयातक निर्यातकों को माल तत्काल भेजने में सहायता मिलेगी।

42 करोड़ थे मंजूर, 32 करोड़ में ही हो गया निर्माण

वित्त मंत्री ने बताया कि उदयपुर में बने इस भवन के लिये हमने 42 करोड़ रुपए की मंजूरी दी थी, लेकिन यह लगभग 32 करोड़ रुपए में ही बन गया। उन्होंने कहा कि करदाताओं की समस्याओं का तत्काल समाधान होना चाहिए इससे शंका समस्या में नहीं बदलेगी। उन्होंने कहा कि जीएसटी अधिकारियों को ऐसी सोच रखनी चाहिए कि वो करदाताओं की मदद के लिए तत्पर रहे जिससे व्यवसाय को बढ़ावा मिलेगा।इस दौरान केन्द्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड के अध्यक्ष संजय अग्रवाल ने कहा कि इस भवन में हमने करदाताओं की सुविधा के लिए प्रावधान किए हैं एवं पर्यावरण का भी ध्यान रखा गया है। उन्होंने जीएसटी संग्रहण के बारे में अवगत करवाया। इस अवसर पर उदयपुर लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉ.मन्नालाल रावत ने कहा कि प्रधानमंत्री का विजन है कि 2047 तक विकसित भारत का सपना पूरा करने के लिए हमें तीन गुना गति से काम करना होगा। उन्होंने कहा कि उदयपुर में महाराणा प्रताप को केंद्र में रखकर पर्यटन हब बनाया जाए। इसके लिए वित्त मंत्री से मदद करने का आग्रह किया। राज्यसभा सदस्य चुन्नीलाल गरासिया ने कहा कि देश में जीएसटी का संग्रहण लगातार बढ़ रहा है, जिससे देश आर्थिक उन्नति की ओर अग्रसर हो रहा है।

ये रहे मौजूद

इस अवसर पर उदयपुर ग्रामीण विधायक फूलसिंह मीणा, उदयपुर जिला कलेक्टर अरविन्द पोसवाल, महाराणा मेवाड़ फाउंडेशन के लक्ष्यराज सिंह मेवाड़ भी उपस्थित रहे।

राइजिंग राजस्थान से नए विकास का उदय, सीएम बोले...

राज्य सरकार निवेशकों को सहयोग देने के लिए तत्पर

■ दूरदर्शी विजन के साथ निवेश को धरातल पर लाना ही हमारा लक्ष्य

वॉर रूम के जरिए निवेश सम्मेलन की तैयारियों को बनाएं व्यापक

बेधड़क | अजमेर

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राइजिंग राजस्थान प्रदेश के औद्योगिक विकास की गति को बढ़ाने में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने वाले उद्यमियों को भूमि, बिजली एवं पानी की उपलब्धता समयबद्ध एवं नीतिगत रूप से सुनिश्चित करवाई जाएंगी, जिससे निवेश धरातल पर मूर्तरूप ले सके। मुख्यमंत्री शर्मा गुरुवार को मुख्यमंत्री कार्यालय में वाइब्रेंट गुजरात एवं उत्तरप्रदेश इन्वेस्टर्स समिट की तर्ज पर राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए राज्य के अधिकारियों के प्रतिनिधिमंडल के दौरे के बाद आयोजित समीक्षा बैठक की अध्यक्षता कर रहे थे। उन्होंने निर्देश दिए कि समिट में निवेश के लिए भाग लेने वाले प्रतिभागी देशों के अनुरूप सभी आवश्यक तैयारियां समय से पूरी कर ली जाएं। साथ ही, इसके लिए अधिकारियों की विशेष टीम का गठन भी किया जाए।

वॉर रूम के जरिए आयोजन की तैयारियां करें तेज

शर्मा ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि राइजिंग राजस्थान के सफल आयोजन के लिए वॉर रूम स्थापित किया जाए, जहां उचित संसाधनों के साथ विशेषज्ञ टीम आयोजन से संबंधित सभी तैयारियों को आपसी समन्वय के साथ समयबद्ध रूप से पूरा कर सकें। उन्होंने आयोजन का सभी माध्यमों से व्यापक प्रचार-प्रसार करने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों को अब तक प्राप्त हो चुके निवेश प्रस्तावों को मूर्तरूप देने से संबंधित कार्यवाही को गति प्रदान करने के भी निर्देश दिए।

रोड-शो के माध्यम से निवेशकों को करें आकर्षित

मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि इस समिट के लिए देश-विदेश में आयोजित होने वाले रोड-शो के आकर्षक और प्रभावी आयोजन से निवेशकों को आमंत्रित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि विदेशों से आने वाले निवेशकों के लिए इन्वेस्टमेंट इन्विटेशन पैकेज तैयार किए जाएं।

सार्वजनिक क्षेत्रों में भी निवेश की संभावनाओं को मिले अधिक से अधिक बढ़ावा

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में सार्वजनिक क्षेत्र में भी निवेशकों को आमंत्रित किया जाए, जिससे प्रदेश में अधिक से अधिक निवेश हो सके। उन्होंने अधिकारियों को इसके लिए देश में सार्वजनिक क्षेत्र के बड़े उपक्रमों के साथ समन्वय स्थापित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि राजस्थान में निवेश करने के लिए विभिन्न क्षेत्रों में अपार संभावनाएं मौजूद हैं। प्रदेश में खनन, मेडिकल, पेट्रोलियम, फार्मा, एयरपोर्ट, पर्यटन, टेक्सटाइल, ऑटोमोबाइल, आईटी, शिक्षा, रेलवे एवं रक्षा क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं को प्रबल बनाया जाए। मुख्यमंत्री ने सूक्ष्म, लघु एवं मध्यम उद्योगों को बढ़ावा एवं राज्य में होटल इंडस्ट्रीज के विस्तार की संभावनाओं पर विशेष ध्यान देने के लिए निर्देशित किया।

ये रहे मौजूद

बैठक में मुख्य सचिव सुधांश पंत, मुख्यमंत्री के अतिरिक्त मुख्य सचिव शिखर अग्रवाल, उद्योग एवं वाणिज्य विभाग के प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, आयुक्त रोहित गुप्ता, प्रबन्ध निदेशक रीको शिवप्रसाद नकाते सहित उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

जेडीए: भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की दस्तक से दहशत

रिश्वत लेते महिला पटवारी, जेईएन, गिरदावर-तहसीलदार गिरफ्तार

■ घूस के 1.5 लाख बरामद, सात आरोपियों के यहां सर्च

बेधड़क | जयपुर

भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो ने शुक्रवार को जेडीए में घूसखोरों की पूरी चेन को दबोचा। डेढ़ लाख रुपए की रिश्वत लेते महिला पटवारी-जेईएन और गिरदावर-पटवारी सहित सात जनों को गिरफ्तार किया तो जेडीए जोन-9 में हड़कंप मच गया और कई कार्मिक दफ्तर से फुर्र हो गए। एसीबी ने इनके पास से घूस रकम बरामद कर सभी आरोपियों के ऑफिस और घरों पर सर्च ऑपरेशन चलाया जो देर रात तक जारी रहा। एसीबी डीजी डॉ. रवि प्रकाश मेहरड़ा के अनुसार जेडीए के जोन नंबर-9 में बडे स्तर पर घूसखोरी के बड़े खेल के इनपुट मिले थे। करीब एक दर्जन से ज्यादा टीमों का गठन कर एसीबी ने शुक्रवार शाम करीब 6 बजे बिल्कुल फिल्मी स्टाइल कार्रवाई को अंजाम दिया। एसीबी टीमों ने जेडीए के जोन नंबर-9 को पूरी तरह सीज कर करीब 50 से ज्यादा अधिकारी-कर्मचारियों को ऑफिस में रोक कर मोबाइल कब्जे में लिए। ब्यूरो ने रिश्वतखोरी में लिप्त एक महिला पटवारी, एक जेईएन, तीन गिरदावर और एक तहसीलदार सहित दलाली का काम करने वाले एक अन्य व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के पास से घूस में ली गई 1 लाख 50 हजार रुपए की रकम को भी जप्त किया है।

रुकमणि

विमला

रविकांत

खेमराज

महेश मीणा

लक्ष्मीकांत

श्रीराम

घर-दफ्तर में सर्च: एसीबी की सात टीमें सातों आरोपियों के घरों पर सर्च ऑपरेशन चला रही है। ब्यूरो घूसखोरी में लिप्त अन्य अधिकारियों कर्मचारियों का भी पता लगा रही है। इनके घरों से नामी-बेनामी सम्पत्ति के दस्तावेज और कई बैंक खाते सहित लॉकरों का पता लगाकर घूसखोरी से जमा की काली कमाई का आंकलन किया जा रहा है।

डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन सीधा विभाग में, प्रक्रिया तय समय में

प्रदेश में सरकारी नौकरी में तुरंत होगी जॉइनिंग

बेधड़क | जयपुर

राजस्थान में प्रतियोगी परीक्षाओं में धांधली रोकने के लिए अब डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन विभाग स्तर पर ही होगा। सरकार ने इसको लेकर गाइडलाइन जारी कर दी है। वेरिफिकेशन का काम 45 दिन में पूरा करके जॉइनिंग देनी होगी। सरकार का यह फैसला राजस्थान सरकार की घोषित सभी चार लाख पदों पर होनी वाली भर्तियों पर लागू होगा। इसमें राजस्थान लोक सेवा आयोग और कर्मचारी चयन बोर्ड की एग्जाम शामिल हैं। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज ने बताया कि सरकार के इस फैसले के बाद अब भर्ती परीक्षा से सिलेक्शन तक की प्रोसेस आधे या उससे भी कम वक्त में पूरी हो सकेगी, क्योंकि अब तक कर्मचारी चयन बोर्ड द्वारा जितनी भी भर्ती परीक्षाओं का आयोजन करवाया जाता रहा है उनके डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन में काफी वक्त लगता था। हमारे पास पर्याप्त कर्मचारी नहीं हैं। जो कर्मचारी हैं, वो भर्ती परीक्षाओं के आयोजन में ही व्यस्त रहते हैं। इस वजह से कुछ भर्ती परीक्षा है तो एक साल तक पूरी नहीं हो पाई है। हमने सरकार को विभाग स्तर पर डॉक्यूमेंट वेरिफिकेशन करने का प्रस्ताव भेजा था, जिसे स्वीकार कर लिया है।

बस रेपिड ट्रांजिट सिस्टम पर असमंजस

दो बार सर्वे के बाद भी बीआरटीएस हटाने का निर्णय नहीं ले पा रही सरकार

- केन्द्र के सहयोग से वर्ष 2008 में इस कॉरिडोर का निर्माण हुआ था शुरू
- पिछले 10 साल में अनुपयोगी तो है ही, उल्टा बन गया एक्सीडेंट जोन
- JDA ने हटाने का लिया था निर्णय, फाइल भेजी सरकार को

बेधड़क | जयपुर

शहरी यातायात को सुविधाजनक बनाने के लिए मानसरोवर और सीकर रोड पर बनाए गए बस रेपिड ट्रांजिट सिस्टम (बीआरटीएस) कॉरिडोर को हटाने के संबंध में राज्य सरकार निर्णय लेगी। दरअसल, जयपुर विकास प्राधिकरण (जेडीए) ने केन्द्रीय सड़क अनुसंधान संस्थान से इस संबंध में दो बार सर्वे कराया है। दोनों सर्वे में बीआरटीएस को अनुपयोगी माना था। इसकी रिपोर्ट जेडीए ने सरकार को भेजी थी, लेकिन अभी तक मामला पेंडिंग है। ट्रैफिक सुधार के लिए केन्द्र सरकार के सहयोग से वर्ष 2008 में बीआरटीएस कॉरिडोर का निर्माण शुरू किया था। बीआरटीएस बनने के बाद वाहनों को संचालन इसमें नहीं हो पाया और आए दिन सड़क दुर्घटनाएं होने लगी थी। ऐसे में जेडीए ने सड़क अनुसंधान संस्थान से सर्वे कराया था और बीआरटीएस की खामियों की पड़ताल की थी। इसके बाद जेडीए के अधिकारियों ने बीआरटीएस को हटाने का निर्णय लिया था और फाइल सरकार को भेजी थी। दिल्ली व भोपाल में बीआरटीएस हटाने से पहले से ऐसा ही सर्वे कराया था और बाद में हटा दिया गया था। मानसरोवर व सीकर रोड पर बने पर बीआरटीएस कॉरिडोर का पिछले 10 साल में उपयोग तक तय नहीं हो पाया। उल्टा एक्सीडेंट जोन बनकर रह गया।

170 करोड़ रुपए की लागत से हुआ था निर्माण

बीआरटीएस कॉरिडोर से सार्वजनिक परिवहन सेवा की बसों का संचालन कर आमजन को सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जेएनएनयूआरएम के तहत 170 करोड़ रुपए की लागत से वर्ष 2008 में करीब 16 किलोमीटर का बीआरटीएस कॉरिडोर न्यू सांगानेर रोड़ और सीकर रोड़ पर बनाया था। इसमें न्यू सांगानेर रोड़ पर 9 किलोमीटर और सीकर रोड़ पर 7 किलोमीटर का बना था। वर्ष 2010 में कॉरिडोर में बसों को संचालन शुरू किया था। लेकिन प्रभावी मॉनिटरिंग नहीं होने से कॉरिडोर में शहरी परिवहन की बसों के साथ अन्य वाहन भी चलने लगे। इससे सड़क दुर्घटनाएं होने लगी थी।

बीआरटीएस को हटाकर ग्रीन कॉरिडोर बनाने का प्लान

बीआरटीएस कॉरिडोर का उदेश्य पब्लिक ट्रांसपोर्ट को सुगम बनाना था, लेकिन इस कॉरिडोर से आमजन को परेशानी झेलनी पड़ रही है। सार्वजनिक परिवहन के नाम पर यह कॉरिडोर कोई काम नहीं आ रहा है। करोड़ों रुपए खर्च करने के बाद ये प्रोजेक्ट हादसों का कॉरिडोर बन चुका हैं। यह प्रोजेक्ट जेडीए के गले की फांस बन चुका है। इस बीच जेडीए और नगरीय विकास विभाग इसे ग्रीन कॉरिडोर बनाने की तैयारी में जुट गया था। लेकिन अभी तक निर्णय नहीं होने से ग्रीन कॉरिडोर की योजना भी ठंडे बस्ते में है।

जरूरी खबर

बागडे ने की महाराष्ट्र के राज्यपाल से शिष्टाचार भेंट

जयपुर। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे की शुक्रवार को महाराष्ट्र राजभवन में वहां के राज्यपाल सी.पी. राधाकृष्णन से मुलाकात हुई। राज्यपाल से उनकी यह शिष्टाचार भेंट थी।

ERCP भाजपा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट: रावत

जयपुर। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत ने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा 18 घंटे डेली सिर्फ राजस्थान की विकास की बात कर रहे हैं। पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना भाजपा सरकार का ड्रीम प्रोजेक्ट है। ईआरसीपी योजना के माध्यम से पार्वती और कालीसिंध के पानी को लिफ्ट करके राजस्थान के 21 जिलों में लाएंगे। पार्वती और काली सिंध के पानी को लिफ्ट करके पूर्वी राजस्थान के लोगों को पीने और सिंचाई का पानी उपलब्ध हो सके इस योजना पर काम कर रहे हैं। जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत शुक्रवार को अजमेर दौरे पर थे। रावत ने सर्किट हाउस में मीडिया से बात करते हुए कहा कि कांग्रेस ने इस योजना को धरातल पर उतारने का काम नहीं किया। भाजपा सरकार ने उसको आगे बढ़ाया और धरातल पर भी आगे बढ़ाया। राजस्थान और मध्य प्रदेश के बीच में डीपीआर एमओयू हो चुका है। प्रधानमंत्री जल्द ही इसका शुभारंभ करेंगे।

'बैठकों और परीक्षणों की संख्या बढ़ाने की जरूरत'

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा है कि राजस्थान विधानसभा की समितियां कार्यपालिका के कार्यकलापों पर निगरानी के अपने दायित्वों का निर्वहन दलगत राजनीतिक आधार से ऊपर उठकर करती है। इन समितियों को सक्रिय करने के साथ-साथ बैठकों ओर परीक्षणों की संख्या बढ़ाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि समिति व्यवस्था में उत्तरदायित्व की अवधारणा पुष्ट होती है और विधानसभा के प्रत्येक सदस्य की सहभागिता भी सुनिश्चित होती है। समितियों द्वारा अधिकारियों की जिम्मेदारी तय की जाए और प्रकरणों का विस्तार से परीक्षण किया जाएं। विधानसभा अध्यक्ष देवनानी ने शुक्रवार को विधानसभा की समितियों के सभापतियों के साथ बैठक की। विधानसभा की समितियों की समीक्षा बैठक पहली बार हुई है।

मंदिर मंडल के अधिकारियों ने रजाई उपरना ओढ़ाकर किया स्वागत

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने किए प्रभु श्रीनाथजी के दर्शन

बेधड़क | जयपुर

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार सुबह नाथद्वारा पहुंची। यहां उन्होंने प्रभु श्रीनाथजी के ग्वाल झांकी के दर्शन किए, इसके बाद मंदिर परंपरा अनुसार उनका रजाई उपरना ओढ़ाकर स्वागत किया गया। इसके बाद वह पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार उदयपुर के लिए प्रस्थान कर गई।

वित्त मंत्री के यहां पहुंचने पर मोती महल में राजसमंद विधायक दीप्ति माहेश्वरी, भाजपा नगर अध्यक्ष प्रदीप काबरा, महिला अध्यक्ष चंचल वैरागी, वीरेंद्र पुरोहित, गोपाल जोशी, पंकज लोढ़ा सहित अन्य कार्यकर्ताओं ने

स्वागत किया। वित्त मंत्री के दौरे के मध्य नजर उपखंड अधिकारी अजय सिंह को प्रोटोकॉल अधिकारी नियुक्त किया गया था और पूरे नगर में पुलिस प्रशासन के जरिए चाक चौबंद व्यवस्थाएं की गई थी। उनके साथ राजसमंद जिला कलेक्टर डॉ. भंवरलाल, पुलिस अधीक्षक मनीष त्रिपाठी सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी मौजूद रहे। कृष्ण जन्माष्टमी से पहले केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण शुक्रवार को नाथद्वारा स्थित श्रीनाथजी मंदिर पहुंची। इस दौरान मंदिर मंडल के अधिकारियों ने उनका अभिनंदन किया। यहां पहुंचकर उन्होंने ग्वाल झांकी के दर्शन किए। इस दौरान मंदिर मंडल के अधिकारी सुधाकर शास्त्री, सहायक अधिकारी अनिल सनाढय, सचिव लीलाधर पुरोहित, सीईओ चेतन त्रिपाठी, आदि उपस्थित रहे।

केंद्रीय वित्त मंत्री से चित्रकार सूरज सोनी ने की शिष्टाचार भेंट

जयपुर। उदयपुर पहुंची केंद्रीय वित्त मंत्री से सांसद डॉ.मन्नालाल रावत के नेतृत्व में शहर के युवा व्यवसायी और चित्रकार सूरज सोनी सहित अन्य युवाओं ने शिष्टाचार भेंट की। सांसद डॉ. रावत ने चित्रकार का परिचय कराया और मेवाड़ अंचल की चित्रशैलियों के बारे में जानकारी दी। इस अवसर पर चित्रकार सूरज सोनी ने केंद्रीय मंत्री को भगवान श्रीनाथजी की पिछवाई भेंट कर उसकी महत्ता बताई। केंद्रीय मंत्री श्रीनाथजी की पिछवाई देखकर बड़ी अभिभूत हुईं और उन्होंने इस छवि में शरद शृंगार को निहारकर चित्रकार के कलाकौशल की तारीफ की।

टोंक में देवली-उनियारा विधानसभा उप चुनाव एवं संगठनात्मक बैठक

कार्यकर्ताओं को BJP प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने दिया जीत का मंत्र

बेधड़क | जयपुर

भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ के नेतृत्व में शुक्रवार को टोंक में देवली-उनियारा विधानसभा उप चुनाव एवं संगठनात्मक बैठक आयोजित की गई।

बैठक को संबोधित करते हुए भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि भाजपा के प्रत्येक कार्यकर्ता को इस बार देवली-उनियारा विधानसभा सीट से भाजपा के प्रत्याशी को जीताकर भेजना है और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के साथ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूती प्रदान करनी है। इस सीट पर जीत दर्ज करने के साथ ही देश के 140 करोड़ देशवासियों की चिंता करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को मजबूती मिलेगी। ऐसे में देवली-उनियारा विधानसभा सीट की जिम्मेदारी हम सभी कार्यकर्ताओं की है। भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि प्रदेश की पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने प्रदेश को गर्त में धकेलने का काम किया था। एक ओर बिजली उत्पादन कम कर दिया तो दूसरी ओर उधार ली गई बिजली को गर्मी जैसे पीक समय में लौटाने का एग्रीमेंट कर लिया। इससे कांग्रेसी नेताओं की सोच और समझदारी का अंदाजा लगाया जा सकता है। एक ओर कांग्रेस पार्टी दिल्ली में आप पार्टी के साथ मिलकर चुनाव लड़ती है, वहीं पंजाब में एक-दूसरे के सामने चुनाव लड़ रही है। ऐसे बेमेल गठजोड़ वाली कांग्रेसी पार्टी पर 'कहीं की ईंट, कहीं का रोड़ा, भानुमति ने कुनबा जोड़ा' मुहावरा चरितार्थ होती है। भाजपा की संगठनात्मक बैठक में भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ राधा मोहन दास अग्रवाल, प्रदेश सह प्रभारी विजया राहटकर, भाजपा महामंत्री दामोदर अग्रवाल, जितेंद्र गोठवाल, राज्य सरकार के मंत्री कन्हैयालाल चौधरी, हीरालाल नागर, भाजपा उपाध्यक्ष डॉ प्रभुलाल सैनी, पूर्व सांसद सुखदेव जोनपुरिया, टोंक जिलाध्यक्ष अजीत मेहता सहित भाजपा पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

- देवली-उनियारा विधानसभा उपचुनावों में खिलेगा कमल
- कांग्रेस समाज में भ्रम फैलाकर जनता को कर रही है गुमराह

भाजपा ने समाज को एकजुट करने का किया काम

भाजपा के प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ ने कहा कि कांग्रेस पार्टी समाज को तोड़ने का काम किया है। जातियों में समाज को विभाजन करने की सोच रखने वाली कांग्रेस पार्टी के नेताओं ने देश की जनता को भ्रमित किया, जबकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी तो संविधान को माथे पर रखकर सम्मान देने वाले वो नेता है जो समाज के हर वर्ग के उत्थान के लिए जनकल्याणकारी नीतियां लागू कर रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी समाज को एकजुट रखकर देश को उन्नति के मार्ग पर ले जाने का कार्य कर रहे हैं। केंद्र सरकार ने देश के चहुंमुखी विकास के लिए विकासोन्मुखी बजट पेश किया तो दूसरी ओर राज्य सरकार ने भी लोककल्याण के प्रति अपनी प्रतिबद्धता बजट में दिखाई।

भाजपा प्रदेश प्रभारी का आह्वान

चुनावी तैयारियों में अभी से जुटें कार्यकर्ता: डॉ. अग्रवाल

भाजपा प्रदेश प्रभारी और सांसद डॉ. राधा मोहन दास अग्रवाल ने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे अभी से चुनावी तैयारियों में जुट जाए। उन्होंने कहा कि भाजपा में अनुशासन सर्वोपरि है, यहां कार्यकर्ता विचार और संगठन के अनुशासन का अनुसरण करें। डॉ. अग्रवाल ने कहा कि संगठन के प्रयत्नों से सरकार के काम को घर-घर पहुंचाकर जनता को सरकार की योजनाओं से लाभान्वित करें। भाजपा प्रदेश प्रभारी डॉ. अग्रवाल ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित वो पार्टी है, जहां कार्यकर्ताओं का सम्मान किया जाता है और कार्यकर्ता परिवार के भाव के साथ काम करता है। वहीं कांग्रेस और अन्य राजनीतिक पार्टियां परिवार की पार्टी है।

पीएम ई-बस सेवा के लिए वित्तीय मंजूरी

राजस्थान में ई-बस सेवाओं का शीघ्र होगा संचालन: भजनलाल

बेधड़क | जयपुर

केंद्र सरकार ने प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के अंतर्गत विद्युत आधारभूत संरचना विकास (बिहाइंड द मीटर) के लिए प्रदेश के 8 शहरों के लिए 100 प्रतिशत केंद्रीय सहायता के रूप में 35.84 करोड़ रुपए की स्वीकृति प्रदान की है। इसके साथ ही प्रधानमंत्री ई-बस सेवा के सिविल डिपो आधारभूत संरचना विकास के लिए 7 शहरों के लिए 34.47 करोड़ रुपए की स्वीकृति देकर प्रथम किश्त के रूप में 8.62 करोड रुपए की राशि जारी की है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप पीएम ई-बस सेवा के तहत प्रदेश में ई-बसों का संचालन शीघ्र शुरू हो सकेगा। ई-बस सेवा के माध्यम से प्रदेश में शहरी परिवहन दक्षता में वृद्धि होने के साथ ही पर्यावरण अनुकूल परिवहन सेवा का भी विस्तार होगा।

उल्लेखनीय है कि विद्युत आधारभूत संरचना विकास (बिहाइंड द मीटर) के लिए डिस्कॉम से करवाये जाने वाले डिपोजिट वर्क हेतु 100 प्रतिशत राशि तथा शेष कार्य के लिए स्वीकृत राशि की 25 प्रतिशत राशि प्रथम किश्त के रूप में जारी की गई है, वहीं सिविल डिपो आधारभूत संरचना विकास के लिए केंद्र सरकार के 60 प्रतिशत हिस्से की प्रथम किश्त के रूप में कुल स्वीकृति की 25 प्रतिशत राशि जारी की गई है।

BJP के राष्ट्रीय महामंत्री का किया अभिनंदन

बेधड़क | जयपुर

भाजपा के राष्ट्रीय महामंत्री व राज्यसभा सांसद डॉ.राधा मोहन दास अग्रवाल के राजस्थान का प्रभारी बनकर जयपुर आगमन पर वैश्य समाज के प्रतिनिधिमंडल ने वरिष्ठ समाजसेवी व वैश्य समाज के राष्ट्रीय मंत्री राजू मंगोड़ीवाला के नेतृत्व में शुक्रवार को दुपट्टा पहना कर स्वागत व अभिनंदन किया। इस अवसर पर अखिल भारतीय विजयवर्गीय वैश्य महासभा के युवा राष्ट्रीय संयोजक मुकेश विजय, सीए सुरेश गर्ग,अग्रवाल समाज के योगेन्द्र गुप्ता व चंद्र प्रकाश सहित अन्य समाजबंधु उपस्थित रहें। मंगोड़ीवाला ने राजस्थान के सामाजिक स्वरूप व संगठन के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि डॉ अग्रवार के प्रभारी बनने से संपूर्ण वैश्य समाज व अग्रवाल समाज में उत्साह की अनुभूति है। मंगोड़ीवाला ने जीवन परिचय देते हुए बताया कि डॉ.राधा मोहन दास अग्रवाल पेशे से बाल रोग विशेषज्ञ है।

राजस्थान धरोहर प्राधिकरण की मीटिंग

पेनोरमा बने पर्यटक और युवाओं के लिए प्रेरणा केंद्र: दिया कुमारी

बेधड़क | जयपुर

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि राज्य में ऐतिहासिक/धार्मिक/पर्यटन महत्व के पेनोरमा और भव्य रूप से अधिक से अधिक जानकारी युक्त बनाए जाए। उन्होंने कहा कि इन पेनोरमाओं पर अधिक से अधिक संख्या में पर्यटक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में पर्यटकों और श्रद्धालुओं को राज्य के गौरवशाली इतिहास और स्थलों के बारे में जानकारी प्रदान करने के लिए समयबद्ध रूप से

कार्य-योजना बनाकर उसकी क्रियान्विति की जाए। उन्होंने महाराणा प्रताप सर्किट का भव्य रूप से निर्माण किए जाने के भी निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री दिया कुमारी की अध्यक्षता में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के अध्यक्ष ओंकार सिंह लखावत, प्रमुख शासन सचिव पर्यटन, कला एवं संस्कृति तथा पुरातत्व गायत्री राठौड़, पर्यटन निदेशक डॉ. रश्मि शर्मा, आरटीडीसी प्रबंध निदेशक अनुपमा जोरवाल, अतिरिक्त निदेशक राकेश शर्मा की उपस्थिति में शुक्रवार को पर्यटन भवन में राजस्थान धरोहर प्राधिकरण द्वारा संचालित पेनोरमाओं के संबंध में आयोजित समीक्षा बैठक में ये निर्देश दिए। उन्होंने राजस्थान धरोहर प्राधिकरण के पेनोरमाओं/विकास कार्यों पर बिंदुवार चर्चा कर आवश्यक दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि उक्त विकास कार्यों के लिए विशेष स्थिति में अतिरिक्त बजट की आवश्यकता होने पर बजट आवंटित किया जाएगा।

अविलंब निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने पेनोरमाओं के निर्माण के समय महापुरुषों के जीवन को आधुनिक/डिजिटल संसाधनों का उपयोग कर उत्तम तरीके से दिखाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि ऑडियो वीडियो तथा आधुनिक तकनीक का उपयोग कर सभी पेनोरमाओं को समयबद्ध रूप से पर्यटकों को अधिक से अधिक जानकारी उपलब्ध कराने की दिशा में भी कार्य किया जाए। इससे ये पेनोरमा पर्यटक और युवाओं के लिए प्रेरणा केंद्र बन सके। उन्होंने कहा कि हमारी पिछली सरकार द्वारा प्रदेश में ऐतिहासिक/धार्मिक/पर्यटन महत्व के सुंदर और शानदार पेनोरमाओं का निर्माण करवाया गया है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि इसी शृंखला में आगे भी योजनाबद्ध रूप से काम किया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि जिन पेनोरमाओं के टेंडर हो चुके हैं, उन पर अविलंब निर्माण कार्य शुरू किया। उन्होंने जिन पेनोरमाओं के लिए भूमि आवंटन शेष है उन पर चर्चा कर आवश्यक निर्देश दिए।

वृहद स्तर पर हो प्रचार-प्रसार

डिप्टी सीएम दिया कुमारी ने निर्देश दिए कि पेनोरमा स्थलों पर पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए मार्केटिंग की जाए, इसके लिए वृहद स्तर पर प्रचार-प्रसार किया जाए। उन्होंने कहा कि जानकारी न होने या कम होने के कारण भव्य पेनोरमा स्थलों पर पर्यटक कम पहुंचते हैं। उन्होंने कहा कि यदि लोगों के बीच इनकी जानकारी अधिक से अधिक पहुंचाई जाए तो ही वहां लोगों की आवाजाही बढ़ेगी, पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। पर्यटकों, यात्रियों की जानकारी के लिए मुख्य सड़क, रेल मार्गों पर साईनेज लगाने के अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने निर्देश दिए कि महाराणा प्रताप सर्किट के विकास कार्य को योजनाबद्ध रूप से को गति प्रदान की जाए।

जरूरी खबर

18 KG प्लास्टिक जब्त, 31 हजार कैरिंग चार्ज वसूला

जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की स्वास्थ्य शाखा ने गंदगी फैलाने और सिंगल यूज प्लास्टिक के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 31850 रुपए का कैरिंग चार्ज वसूल किया है। इस सबंध में उपायुक्त स्वास्थ्य सोहन सिंह नरूका ने बताया कि सिंगल यूज प्लास्टिक रखने वाले और गंदगी करने वालों के खिलाफ शाखा लगातार कार्रवाई कर रही है, जिसमें सीएसआई ने 6600 रुपए, यूजर चार्ज 2250 रुपए और चालान प्रकोष्ठ ने 23000 रुपए वसूल किए। साथ ही 18 किलो प्लास्टिक भी जब्त की है। उपायुक्त नरूका ने बताया कि प्लास्टिक प्रकृति और मानव के लिए हानिकारक है। आमजन के इसके बजाए कपड़े या जूट का बैग उपयोग में लेना चाहिए। प्लास्टिक के कई हानिकारक दुष्प्रभाव है। हेरिटेज निगम के द्वारा बाजारों में जाकर समझाइश भी की जा रही है।

झांकी सम्मान समारोह के पोस्टर का विमोचन

जयपुर। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर की नवगठित जयपुर जिला कार्यकारिणी का शपथ ग्रहण एवं सुगंध दशमी के मौके पर दिगम्बर जैन मंदिरों में गत वर्ष सजाई गई झांकियों का सम्मान समारोह शनिवार को आयोजित किया जाएगा। राजस्थान जैन युवा महासभा जयपुर के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जैन एवं प्रदेश महामंत्री विनोद जैन कोटखावदा ने बताया कि समारोह के बैनर पोस्टर का विमोचन शुक्रवार को मुनि प्रणम्य सागर के सानिध्य में हुआ। इस मौके पर समारोह के मुख्य समन्वयक राकेश गोधा, जिला कमेटी के अध्यक्ष संजय पाण्डया, कार्याध्यक्ष राजेश बड़जात्या, महामंत्री सुभाष बज, मीरामार्ग दिगम्बर जैन मंदिर के मंत्री एवं युवा महासभा के मानसरोवर सम्भाग के महामंत्री राजेन्द्र सेठी सहित बडी संख्या में जैन बन्धु शामिल हुए।

सच बेधड़क
दैनिक हिन्दी अख़बार
आपके दिल की बात अब आपके अखबार के माध्यम से...
अख़बार में प्रकाशन के लिए खब़र, विज्ञप्ति, कार्यक्रम की सूचना आलेख एवं अपनी मौलिक रचनाएं
news@sachbedhadak.com
पर E- Mail करें।

'शुद्ध आहार, मिलावट पर वार' अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा विभाग की कार्रवाई

40Kg पनीर-मावा फिंकवाया, 3 फर्मों पर 3.50 लाख का जुर्माना

बेधड़क | जयपुर

खाद्य सुरक्षा विभाग की टीम ने शुक्रवार को 'शुद्ध आहार मिलावट पर वार' अभियान के तहत शास्त्री नगर, जय सिंह हाईवे और बस्सी क्षेत्र में कार्रवाई की। इस दौरान 40Kg पनीर-मावा फिंकवाया गया। साथ ही सब स्टेंडर्ड खाद्य सामग्री बेचने पर अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर प्रथम द्वारा तीन फर्मों पर 3.50 लाख रुपए का जुर्माना किया गया।

आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण इकबाल खान के निर्देश पर अतिरिक्त आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण पंकज ओझा के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा अधिकारी जयपुर प्रथम की टीम शुक्रवार को बसंत डेरी, सुभाष नगर शॉपिंग सेंटर, शास्त्री नगर पहुंची। यहां से मावा एवं पनीर के नमूने लिए और जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला भिजवाए। नमूना लेने के पश्चात शेष लगभग 40 किलोग्राम पनीर के अपशिष्ट एवं मावा को नष्ट करवाया गया। यहां मावा एवं पनीर रखने वाले फ्रिज एवं डीप फ्रिज बहुत ही गंदी अवस्था में पाए गए। अन्य स्थानों पर भी साफ-सफाई का बहुत अभाव पाया गया। इस पर फर्म को नोटिस जारी किया। नोटिस के जवाब बाद एवं जांच रिपोर्ट आने के बाद अग्रिम कार्रवाई की जाएगी।

सुल्तान हाउस में मिली सड़ी गली सब्जियां

सुल्तान हाउस, जय सिंह हाईवे पर निरीक्षण किया। यहां पर सड़ी-गली कीड़े लगी हुई सब्जियां रसोई घर में फ्रिज में पाई गई। उनसे विभिन्न खाद्य पदार्थ तैयार करते हुए पाए गए। डीप फ्रीज में वेज और नॉनवेज आर्टिकल्स भी एक साथ रख पाए। इस पर यहां से विभिन्न खाद्य पदार्थों के नमूने लिए गए। एक्सपायरी ब्रेड के चार पैकेट चार बोतल सॉस 4 किलो पत्ता गोभी हरी मिर्च और मांस नष्ट करवाया गया।

तीन अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर बस्सी क्षेत्र में लगाया जुर्माना

अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट जयपुर प्रथम सुरेश कुमार नवल द्वारा बस्सी क्षेत्र में स्थित तीन अलग-अलग प्रतिष्ठानों पर कुल 3.50 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया। इनमें मुख्य रूप से मेसर्स गीता इंडस्ट्रीज रीको इंडस्ट्रियल एरिया बस्सी पर सबस्टेंडर्ड बूरा बेचने पर ₹2 लाख रुपए का जुर्माना तथा मैसर्स अनुकूल एग्रो प्राइवेट लिमिटेड रीको इंडस्ट्रियल एरिया बस्सी पर सबस्टेंडर्ड काजू बेचने पर ₹एक लाख रुपए का जुर्माना लगाया। इसके अलावा मैसर्स प्रगति इंटरनेशनल रीको इंडस्ट्रियल एरिया बस्सी पर सबस्टेंडर्ड बादाम बेचने पर ₹50 हजार रुपए का जुर्माना लगाया गया। गौरतलब है कि सब स्टेंडर्ड खाद्य पदार्थ पर अधिकतम 5 लाख रुपए एवं मिस ब्रांडेड खाद्य पदार्थ पर अधिकतम 3 लाख रुपए जुर्माने का प्रावधान है।

हेड कांस्टेबल बाबूलाल के परिजनों का SMS मोर्चरी के बाहर धरना

पत्नी-बेटे को सरकारी नौकरी और 2 करोड़ रु. मुआवजा दें

■ मौत के जिम्मेदार लोगों पर चले हत्या का मुकदमा, तुरंत हो गिरफ्तारी

बेधड़क | जयपुर

दो करोड़ रुपए का मुआवजा दिया जाए। दो लोगों को सरकारी नौकरी दी जाए साथ ही मौत के लिए जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर तुरंत गिरफ्तार किया जाए। यह मांग भांकरोटा थाना इलाके में चौकी में फांसी का फंदा लगाकर आत्महत्या करने वाले हेड कांस्टेबल बाबूलाल बैरवा के परिजनों ने की। इन मांगों को लेकर परिजनों और अन्य संगठनों ने शुक्रवार को एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर धरना दिया। मांगें पूरी होने तक परिजनों ने शव लेने से इनकार कर दिया।

भारत की कम्युनिस्ट पार्टी (मार्क्सवादी) ने मांग की कि बाबूलाल के निलंबन वाले मामले की फिर से जांच की जाए। साथ ही अनुसूचित जाति के कार्मिकों से जुड़े मामले और उसमें हुई कार्रवाई का विवरण सामने लाया जाए। पार्टी (मार्क्सवादी) की ब्यूरो सदस्या डॉ. बृंदा करात और पार्टी के राज्य सचिव और सीकर से सांसद डॉ. अमराराम ने हेड कांस्टेबल बाबूलाल बैरवा के हत्यारों की गिरफ्तारी की मांग को लेकर एसएमएस अस्पताल की मोर्चरी के बाहर चल रहे धरने को समर्थन देने पहुंचे।

यह आत्महत्या नहीं संस्थागत हत्या

डॉ. बृंदा करात ने बाबूलाल बैरवा की आत्महत्या को 'संस्थागत हत्या' करार देते हुए कहा कि भ्रष्ट अधिकारियों ने उसको अपनी जान लेने के लिए मजबूर कर दिया, इसलिए इसे आत्महत्या कहना उचित नही है, ये संस्थागत हत्या है। डॉ. वृंदा कारात ने राज्य सरकार से मांग की कि हत्यारों को तुरंत गिरफ्तार कर कड़ी से कड़ी सजा दी जाए। सांसद डॉ. अमराराम ने पीड़ित परिवार से कोई संवाद नही करने पर राज्य सरकार पर निशाना साधा और मांग की कि अविलम्ब दोषी अधिकारियों को गिरफ्तार किया जाए।

बेटे ने कहा-1 साल से प्रताड़ित पिताजी

बता दें कि हेड कांस्टेबल बाबूलाल बैरवा के बेटे तनुज गोठवाल की ओर से भांकरोटा थाना पुलिस ने एफआईआर दर्ज की। तनुज गोठवाल ने बताया कि उनके पिता बाबूलाल बैरवा मुकंदरपुरा रोड पुलिस चौकी में हैड कांस्टेबल थे। एक साल से पुलिस विभाग में उच्च अधिकारियों एसीपी अनिल शर्मा, एडिशनल एस.पी जगदीश व्यास, एसआई आशुतोष सिंह और एक पत्रकार कमल देगड़ा द्वारा दबाव बनाकर उन्हें परेशान किया जा रहा था। पिछले एक साल से इन अधिकारियों की वजह से मेरे पिता मानसिक रूप से प्रताडित थे। उन्होनें यह बातें हमें और उनके जानकार साथियों को भी बताई थी। मेरे पिता ने एक सुसाइड नोट लिखा था, जिसमें उनको प्रताड़ित करने वालों में विभाग के अधिकारी एसीपी अनिल शर्मा, एडिशनल एस.पी जगदीश व्यास, एसआई आशुतोष सिंह और एक पत्रकार कमल देगड़ा शामिल हैं।

5 दमकलों ने एक घंटे में पाया काबू

रात डेढ़ बजे चौथी मंजिल पर लगी आग निकलकर भागे लोग

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में एक अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर गुरुवार रात करीब डेढ़ बजे आग लग गई। पता चलने पर अपार्टमेंट के फ्लैट्स में मौजूद लोग भाग-भागकर बाहर आ गए। गांधी नगर थाना पुलिस ने फायर बिग्रेड की 5 गाड़ियों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। अपार्टमेंट में आग से लाखों रुपए का नुकसान होना बताया जा रहा है। एसएचओ गांधी नगर उदयभान ने बताया कि गांधी नगर थाने के पीछे स्थित अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर आग लगी थी।

अपार्टमेंट के ग्राउंड फ्लोर पर एक रेस्टोरेंट और लकड़ी फ्रेम शॉप संचालित होती है। ऊपर बने फ्लैट में रेस्टोरेंट के वर्कर व अन्य लोग रहते हैं। अपार्टमेंट की चौथी मंजिल पर बनी छत पर निर्माण काम चलने के साथ ही लकड़ी के फ्रेम बनाने का सामान पड़ा हुआ है। रात करीब 1:30 बजे अचानक चौथी मंजिल पर पड़े सामान में आग लग गई। आग की लपटें उठती देखकर स्थानीय लोगों ने अपार्टमेंट में मौजूद लोगों को कॉल कर बताया।

पता चलने पर फ्लैट्स में सो रहे लोग उठकर अपार्टमेंट से बाहर निकल आए। आग लगने की सूचना पर गांधी नगर थाना पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। मालवीय नगर और 22 गोदाम फायर स्टेशन से दमकल की पांच गाड़ियां मौके पर पहुंची। फायर बिग्रेड की पांच गाड़ियों की मदद से करीब 1 घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पाया गया।

तेज रफ्तार से हुआ हादसा, पुलिस ने जब्त की दोनों बसें

दो स्कूलों की बसों में आमने-सामने की भिड़ंत, 12 बच्चों को चोटें आई

बेधड़क | जयपुर

राजधानी में शुक्रवार सुबह दो स्कूलों की बसों में आमने-सामने हुई टक्कर में 12 बच्चों के चोट आई। बिंदायका थाना पुलिस ने प्राइवेट हॉस्पिटल में चोटिल बच्चों का प्राथमिक उपचार करवाया।

पुलिस ने दोनों बसों को जब्त कर जांच शुरू कर दी है। पुलिस प्रथमदृष्टया जांच में ओवर स्पीड के चलते एक्सीडेंट होना सामने आया है। एसएचओ (बिंदायका) भजन लाल ने बताया- पिंडोलाई के सूरज नगर में सुबह करीब 7:15 बजे एक्सीडेंट हुआ। हाथोज स्थित नमस्कार पाठशाला और निमेड़ा के मेहाई पब्लिक स्कूल की बसें अपने-अपने स्कूल के बच्चों को घरों से लेकर जा रही थी। सूरज नगर में दोनों ही बसें आमने-सामने से निकल रही थी। तेज रफ्तार के चलते एक-दूसरे को बचाने की कोशिश के बाद भी दोनों बस साइड से टकरा गई। स्कूल बसों के आमने-सामने की भिड़ंत से बच्चों में चीख-पुकार मच गई। ग्रामीणों ने तुरंत बिंदायका थाना पुलिस को एक्सीडेंट की सूचना दी। हादसे के समय दोनों ही बसों में 50 से अधिक बच्चे मौजूद थे। ग्रामीणों ने बसों से सभी बच्चों को नीचे उतारा। बिंदायका थाना पुलिस ने मौके पर पहुंचकर एक्सीडेंट में चोटिल हुए करीब 12 बच्चों को नजदीकी प्राइवेट हॉस्पिटल भिजवाया। हॉस्पिटल में प्राथमिक उपचार के बाद बच्चों को छुट्टी मिल गई। एक्सीडेंट की सूचना पर बच्चों के काफी परिजन भी मौके पर पहुंच गए और बच्चों को साथ ले गए।

फर्जी भ्रूण लिंग परीक्षण के नाम पर ठगी करने वाली महिला पकड़ी

70 हजार दो, बता दूंगी पेट में बेटा या बेटी!

बेधड़क | जयपुर

पीसीपीएनडीटी सेल की टीम ने शुक्रवार को एक डिकॉय कार्रवाई करते हुए एक निजी सोनोग्राफी सेंटर पर महिला दलाल को पकड़ा। यह महिला फर्जी तरीके से भ्रूण लिंग परीक्षण के नाम पर ठगी करती थी। टीम अब इस महिला से पूछताछ कर रही है कि इस काम में कौन-कौन उसके साथ शामिल हैं और किन सोनोग्राफी सेंटर्स पर यह काम करवाती है।

एसीएस हेल्थ शुभ्रा सिंह ने बताया कि मुखबिर से मिली सूचना की पुष्टि होने के बाद अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक पीसीपीएनडीटी केके अवस्थी के नेतृत्व में डिकॉय टीम बनाई। टीम ने सूचना के आधार पर महिला दलाल से सम्पर्क किया। दलाल ने 70 हजार रुपए की राशि में भ्रूण लिंग परीक्षण करवाने की बात कही। दलाल के कहने पर योजना के अनुसार डिकॉय गर्भवती ने 20 हजार रुपए फोन-पे एप के माध्यम से ट्रांसफर कर दिए।

इसके बाद महिला दलाल ने गर्भवती महिला को गुरुवार को अपने रॉयल सिटी कालवाड़ रोड स्थित निजी संस्कार हैल्थ होम केयर पर आने के लिए कहा। इसके बाद में उसने अगले दिन यानी कि शुक्रवार की दोपहर अपने सेंटर पर बुलाया। इस पर गर्भवती महिला डिकॉय दल के वाहन में सवार होकर पहुंची। वहां से दलाल डिकॉय दल के वाहन में ही सवार सीकर रोड स्थित एक निजी सोनोग्राफी सेंटर पर लेकर गई। जहां पर उसने स्वयं के हस्ताक्षरित रोगी पर्ची बनाकर गर्भवती महिला की सामान्य सोनोग्राफी करवाई।

सोनोग्राफी करवाते समय रेडियोलॉजिस्ट ने दलाल महिला के आचार व्यवहार के संदेह होने पर बाहर निकाल दिया। जैसे ही दलाल महिला सेंटर से बाहर निकली, तभी उसे टीम ने पकड़ लिया। पूछताछ में महिला दलाल ने खुद को पेशेंट के लिए होम केयर संचालक बताया। दलाल के पास स्वास्थ्य से जुड़ी किसी भी प्रकार की कोई डिग्री नहीं मिली।

जन्माष्टमी पर 938 किलो पंचामृत से होगा जन्माभिषेक

गोविंद के दर्शन 'पास' से केवल 7 बजे तक ही, छोटे कपड़ों में एंट्री नहीं!

बेधड़क | जयपुर

जयपुर। मंदिर श्री गोविंद देव जी में 26 अगस्त को जन्माष्टमी पर दर्शन के लिए पास धारक और आमजन के लिए अलग-अलग एंट्री की व्यवस्था रहेगी। पास से एंट्री शाम 7 बजे के बाद बंद कर दी जाएगी। मंदिर की ओर से रात 12 बजे 31 तोपों की सलामी होगी और आतिशबाजी भी की जाएगी।

दर्शन की व्यस्था तीन तरह से की गई है। वहीं, मंदिर में श्रद्धालुओं की भीड़ को देखते हुए फेस डिटेक्टर कैमरे और मेटल डिटेक्टर लगाकर नजर रखी जाएगी। दर्शन करने वाले भक्त मंदिर में प्रसाद, फल, मिठाई, नारियल, लैपटॉप, कैमरा नहीं ले जा सकेंगे। जन्माष्टमी पर लगभग 3000 कार्यकर्ता सुबह मंगला झांकी से अभिषेक समाप्त होने तक लगातार अपनी सेवा देंगे। इसके साथ लगभग 150 स्काउट भी इस व्यवस्था में रहेंगे।

दो महीने में बनकर तैयार हुई पोशाक

मंदिर सेवाधिकारी मानस गोस्वामी ने बताया- मंदिर के मेन गेट और एग्जिट गेट पर शहनाई वादन होगा। 26 अगस्त को सुबह मंगला झांकी से पहले ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक होगा। भगवान को नए पीले वस्त्र धारण करवाए जाएंगे। यह पोशाक पीले रेशमी कपड़े में बनाई गई है। इसमें राजस्थानी गोटा पत्ती का कार्य किया गया है। जयपुर के कारीगरों ने इसे तैयार किया है। जो दो महीने में तैयार हुई है। इस पोशाक में ठाकुर श्रीजी के बाल गोपाल स्वरूप के दर्शन होंगे। भगवान का विशेष गहनों और कोलकाता से मंगवाए विशेष फूलों से श्रृंगार होगा।

मंदिर में यह रहेगी दर्शन व्यवस्था

श्री कृष्ण जन्माष्टमी को सुबह मंगला झांकी से ही दर्शनार्थियों की दर्शन व्यवस्था शुरू हो जाएगी। पास धारक एंट्री, आमजन एंट्री बिना जूता चप्पल वाले और आम जन प्रवेश जूता चप्पल वालों के लिए तीन अलग-अलग लाइनों की व्यवस्था की गई है। इन तीनों लाइनों से आकर दर्शनार्थी दर्शन कर सकेंगे। जो दर्शनार्थी जलेबी चौक से मंदिर में प्रवेश करेंगे। उनका निकास जय निवास बाग पूर्वी गेट से होगा। जो दर्शनार्थी ब्रह्मपुरी, कंवर नगर की ओर से आएंगे वे चिंताहरण हनुमान जी मंदिर होते हुए जय निवास बाग पश्चिम द्वार से बाहर निकलेंगे।

रात 12 बजे दी जाएगी 31 तोपों की सलामी

26 अगस्त को रात 10 से 11 बजे तक कथावाचक गोविंद मिश्र श्रीकृष्ण जन्माष्टमी व्रत कथा का पाठ करेंगे। जन्म के समय रात 12 बजे 31 तोपों की सलामी होगी। विशेष रंगीन आतिशबाजी की जाएगी। रात 12 बजे गोविंद अभिषेक दर्शन खुलेंगे। इसमें 6 पंडित वेद पाठ करेंगे। श्री शालिग्राम पूजन और पांच द्रव्यों के पूजन के बाद ठाकुर श्रीजी का पंचामृत अभिषेक किया जाएगा। दूध,दही, घी देसी नस्ल की गाय का ही होगा। अभिषेक के बाद ठाकुरजी को विशेष भोग अर्पण किया जाएगा। इसमें पंजीरी लड्डू, खिरसा और रबड़ी कुल्लड़ का भोग शामिल है। अभिषेक के बाद सभी भक्तों में निशुल्क पंचामृत और पंजीरी वितरण जय निवास बाग में बने प्रसादी मंच से किया जाएगा।

...ऐसा किया तो मेन गेट पर ही रोक देंगे

मंदिर में छोटे कपड़े जैसे बरमूडा टॉप पहनकर नहीं आने का आग्रह किया है। इसके साथ ही मंदिर में हेलमेट ले जाने पर भी पाबंदी रहेगी। मंदिर समिति के सेवादार शिव मोहन ने बताया कि मंदिर आने वाले दर्शनार्थियों से जन्माष्टमी के दिन भारतीय परिधान में आने को कहा गया है। कई बार लोग बरमूड़ा या छोटे कपड़े पहनकर मंदिर आ जाते है। इससे मंदिर आने वाले लोगों की आस्था प्रभावित होती है। मंदिर समिति के वोलेंटियर्स ऐसे लोगों को मेन गेट पर ही रोक देंगे।

जरूरी खबर

चित्तौड़गढ़ अस्पताल के PMO को किया APO

चित्तौड़गढ़। चित्तौड़गढ़ जिले के सबसे बड़े चिकित्सालय श्री सांवलियाजी राजकीय सामान्य चिकित्सालय के लंबे समय से प्रमुख चिकित्सा अधिकारी (पीएमओ) के पद पर आसीन डॉ. दिनेश वैष्णव को चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग ने आदेश देकर पदस्थापन की प्रतिक्षा में (एपीओ) कर दिया है। इनके स्थान पर शिशु रोग विशेषज्ञ डॉ. जयसिंह मीणा को जिला चिकित्सालय का चार्ज सौंपा गया है। पीएमओ वैष्णव के खिलाफ एक महिला चिकित्सक को गत वर्ष डबल भुगतान की शिकायत थी, जिसमें दोषी माना। एपीओ आदेश में भी सीसीए नियम-16 के तहत कार्यवाही विचाराधीन होने का हवाला दिया है।

पिज्जा हाउस पर तीन युवकों ने की फायरिंग

श्रीगंगानगर। जिले के सादुलशहर के बस स्टैंड के पास शुक्रवार शाम को एक पिज्जा हाउस में तीन नकाबपोश बदमाशों ने फायरिंग की। बाइक पर सवार होकर आए इन युवकों ने दुकान में घुसते ही तीन राउंड फायर किए, जिससे इलाके में दहशत फैल गई। गनीमत रही कि इस घटना में कोई घायल नहीं हुआ। घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सादुलशहर थाना प्रभारी सुमेर सिंह ने बताया कि घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। पिज्जा हाउस के गेट पर गोली लगने के निशान मिले और दुकान के अंदर दो कारतूस बरामद हुए हैं।

कामां में डॉ. अंबेडकर की नई प्रतिमा लगाई

भरतपुर। डीग जिले के कामां कस्बे में अंबेडकर पार्क में असामाजिक तत्वों द्वारा पत्थर मारकर खंडित की गई बाबा साहब भीमराव अंबेडकर की खंडित प्रतिमा को हटाकर शुक्रवार को नई प्रतिमा लगा देने के बाद यहां व्याप्त तनाव समाप्त हो गया। इस वारदात के बाद गुरुवार को कस्बे में दलित समाज के आक्रोशित लोगों ने सड़कों पर टायर जलाकर उग्र प्रदर्शन करते हुए अंबेडकर पार्क में धरना शुरू कर दिया था, जो नई प्रतिमा की स्थापना के साथ खत्म कर दिया गया। इस दौरान तनावपूर्ण भय के साये में कस्बे की दुकानें भी व्यापारियों ने बंद रखीं।

RPSC की अधिशासी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी करने की मांग

टॉयलट की सफाई और पौधे लगा किया अनूठा विरोध प्रदर्शन

बेधड़क | अजमेर

राजस्थान लोक सेवा आयोग (rpsc) की अधिशासी अधिकारी एवं राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा 2022 का अंतिम परिणाम जारी करने की मांग को लेकर अभ्यर्थियों ने शुक्रवार को अनूठा प्रदर्शन किया।

प्रदेशभर के अभ्यर्थी आरपीएससी कार्यालय जुटे। यहां पुलिस ने उन्हें खदेड़ दिया। इसके बाद अभ्यर्थियों ने झाड़ू उठाई और आयोग कार्यालय से 500 मीटर दूरी पर बंदिया गांव के सार्वजनिक शौचालय को साफ कर दिया।

अभ्यर्थियों ने पीएम नरेंद्र मोदी के अभियान एक पौधा मां के नाम के तहत 100 से भी अधिक पौधे लगाए। स्वायत्त शासन विभाग की अधिशासी अधिकारी और राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा 2022 का अंतिम परिणाम आरपीएससी अभी तक जारी नहीं कर पाई, जबकि भर्ती प्रक्रिया के तहत अभ्यार्थियों के दस्तावेज सत्यापन का कार्य भी 9 माह पहले पूरा हो चुका है, लिहाजा प्रदेशभर से अभ्यार्थी परिणाम जारी करने की मांग को लेकर अजमेर आरपीएससी कार्यालय के समीप जुटे।

आयोग कार्यालय पर धारा 144 लागू होने के कारण अभ्यर्थियों को पुलिस ने यहां से हटा दिया। इस पर वे बंदिया गांव पहुंच गए। यहां उन्होंने सार्वजनिक शौचालय को साफ किया। बाहर झाड़ू लगाकर सफाई की। इसके बाद अभ्यर्थियों ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत गांव में 100 से अधिक पौधे लगाए।

नवंबर 2023 में किया था दस्तावेजों का सत्यापन

सीकर से आए अभ्यर्थी ओमप्रकाश ने बताया कि सितंबर, 2022 में भर्ती का विज्ञापन आया था। 14 मई, 2023 को अधिशासी अधिकारी और राजस्व अधिकारी भर्ती परीक्षा 2022 हुई थी। पद से दुगने अभ्यर्थियों के नवंबर 2023 को दस्तावेज सत्यापन किए गए थे। 11, 12 और 13 दिसंबर को सत्यापन पूर्ण हो गया था. बावजूद इसके अंतिम परिणाम अभी तक जारी नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि आयोग से कई बार अंतिम परिणाम जारी करने की मांग की जा चुकी है, लेकिन कोई सकारात्मक जवाब आयोग की ओर से नहीं दिया जाता है, जबकि एसीबी ने 2 जलाई 2024 को भर्ती को क्लीन चिट दी थी। इस भर्ती में कुल 121 पद थे। 282 अभ्यर्थियों को दस्तावेज सत्यापन के लिए बुलाया गया था।

नौ माह से रिजल्ट का इंतजार

अभ्यर्थी अभिषेक बताते हैं कि 9 माह से अभ्यर्थी परिणाम का इंतजार कर रहे हैं। कई बार आयोग और सरकार से परिणाम जारी करने की मांग की जा चुकी है, लेकिन आयोग न तो कोई कारण बता रहा है और ना ही परिणाम जारी किया जा रहा है। अभ्यर्थी प्रकाश ने बताया कि पूर्व में इस भर्ती पर भी सवाल उठे थे। जांच एजेंसी ने आयोग को परिणाम रोकने के लिए नहीं कहा गया है। संबंधित जांच एजेंसी आयोग को क्लीन चिट दे चुकी है।

आसींद उपखंड क्षेत्र के शंभूगढ़ कस्बे के पास हुआ हादसा

खारी नदी में बने एनीकट में नहाने गए दो युवक डूबे, मौत

बेधड़क | भीलवाड़ा

जिले के आसींद उपखंड क्षेत्र के शंभूगढ़ कस्बे के पास खारी नदी में बने एनीकट में डूबने से दो युवकों की मौत हो गई। दोनों युवकों के शवों को रेस्क्यू कर लिया गया है। दोनों युवकों की पहचान शंभूगढ़ थाना क्षेत्र के आमेसर गांव निवासी पवन वैष्णव और राजू बलाई के रूप में हुई है।

दरअसल, पिछले दिनों हुई बरसात के बाद खारी नदी में पानी की आवक हुई, जहां शंभूगढ़ कस्बे में सागस बाबा के स्थान पर एनीकट बना हुआ है। एनीकट में पवन वैष्णव और राजू बलाई नहा रहे थे। नहाते समय अचानक गहरे गड्ढे में चले जाने के कारण दोनों युवक पानी में डूब गए। अन्य युवकों ने ग्रामीणों और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस व प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और ग्रामीणों की मदद से तलाश शुरू की। शंभूगढ़ थाना प्रभारी रविंद्र सिंह रावत ने बताया कि कस्बे के पास खारी नदी का एक एनीकट बना हुआ है। शुक्रवार दोपहर को थाना क्षेत्र के आमेसर गांव निवासी 22 वर्षीय पवन वैष्णव और 20 वर्षीय राजू बलाई एनीकट में नहा रहे थे। इसी दौरान अचानक गहरे गड्ढे में चले जाने के कारण दोनों डूब गए। दोनों के शवों को रेस्क्यू कर लिया गया है।

7 साल बाद नदी में आया पानी

आसींद क्षेत्र से गुजरने वाली खारी नदी में 7 साल बाद पानी आने से ग्रामीणों में उत्साह है। शंभूगढ़ कस्बे के निकट बने एनीकट में क्षेत्र से काफी युवा नहाने आ रहे हैं। आमेसर गांव निवासी दोनों युवक इस एनिकट में नहाने के लिए आए और दोनों युवकों की डूबने से मौत हो गई। साल 2017 में खारी नदी में पानी आया था। इस बार हाल ही में 14 अगस्त को हुई बरसात के बाद 18 अगस्त को शंभूगढ़ कस्बे के निकट नदी का पानी पहुंचा था।

दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए युवक की डूबने से मौत

भरतपुर। जिले के गढ़ी बाजना थाना क्षेत्र के दर्द बरहाना झरना पर दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गए एक युवक की गहरे पानी में डूबने से मौत हो गई। झरने में नहाने के दौरान युवक का पैर फिसल गया और गहरे पानी में समा गया. सूचना पर पुलिस, प्रशासन के अधिकारी मौके पर पहुंचे और 3 घंटे के रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद युवक के शव को बाहर निकाला जा सका। गढ़ी बाजना थाने के हेड कांस्टेबल ने बताया कि पुलिस कंट्रोल रूम से सूचना मिली कि दर्द बरहाना झरना में नहाने के दौरान एक व्यक्ति डूब गया। सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची। गोताखोर और एसडीआरएफ टीम की ओर से करीब 3 घंटे तक रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। इसके बाद गहरे पानी से युवक के शव को बाहर निकाला जा सका। बताया जा रहा है कि उच्चैन क्षेत्र के गांव मुंढ़ेरा निवासी तेजसिंह धाकड़ (32) अपने दो अन्य दोस्तों के साथ दर्द बरहाना झरना पर पिकनिक मनाने गया था। नहाने के दौरान तेज सिंह का पैर फिसल गया और झरने के तेज बहाव के साथ गहरे पानी में चला गया।

आर्थिक मदद का दिया आश्वासन

मृतक बच्चों के परिजनों से मिले मंत्री कन्हैयालाल चौधरी

टोंक। जिले के उनियारा उपखंड में चार बच्चों की मौत के बाद जलदाय मंत्री कन्हैया लाल चौधरी रघुनाथपुरा गांव पहुंचे। यहां उन्होंने मृतक बच्चों के परिजनों से मुलाकात की और उन्हें सात्वंना दी। साथ ही उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ऐसे घटनाओं के लिए संवेदनशील है। इस मामले में जो सरकार की ओर से पीड़ित परिवार को आर्थिक मदद प्रदान की जाएगी।

हादसा: कार के परखच्चे उड़े, एक घायल

भारतमाला रोड पर 2 कारों में भिड़ंत, तीन की मौत

बेधड़क | बीकानेर

जिले के नोखा थाना इलाके में हुए सड़क हादसे में तीन जनों की मौत हो गई, जबकि एक युवक घायल हो गया है। जानकारी मिली है कि रासीसर में भारत माला रोड पर दो कारों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई।

भिड़ंत इतनी जबरदस्त थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। हादसे में तीन युवकों ने मौके पर ही दम तोड़ दिया। घायल को राहगीरों की मदद से पीबीएम अस्पताल लाया गया। जहां घायल का इलाज जारी है। मृतकों की पहचान रासीसर निवासी ओमप्रकाश, सुरेश और जगदीश के रूप में हुई है, जबकि घायल सोहनलाल का इलाज जारी है। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची। हादसे के बाद हाईवे पर जाम लग गया। बीकानेर पुलिस ने दोनों गाड़ियों को मौके से हटाकर जाम खुलवाया। पुलिस ने दोनों गाड़ियों को जब्त कर लिया है। पुलिस घटना की जांच कर रही है। दरअसल बारिश होने के चलते सड़क भीगी हुई थी। ऐसे में शुरुआती अंदेशा लगाया जा रहा है कि फिसलन के चलते चालक का गाड़ी पर से नियंत्रण हट गया होगा। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

हादसे में 18 घायल, 6 की हालत गंभीर

खाटूश्यामजी से लौट रही बस पलटी, 2 मरे

नागौर। कुचामन के मारोठ थाना क्षेत्र में शुक्रवार सुबह खाटूश्यामजी के दर्शन कर लौट रही सवारियों से भरी बस पलट गई। भैंरूजी मंदिर के पास हुए इस हादसे में दो यात्रियों की मौत हो गई, जबकि कई अन्य यात्री घायल हो गए।

सूचना पर स्थानीय पुलिस और एंबुलेंस टीम तुरंत मौके पर पहुंची और घायलों को स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया। हादसे में दो यात्रियों की मौके पर ही मौत हो गई। मरने वाले यात्रियों के शव नावां अस्पताल की मोर्चरी में रखवाए गए हैं। बस चित्तौड़गढ़ से खाटूश्याम जी के दर्शन के लिए जा रही थी और लौटते समय यह हादसा हुआ। बताया जा रहा है कि बस के आगे की साइड की कमानी टूट गई थी। इस दौरान बस बेकाबू होकर पलट गई।

हादसे की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग और बचाव कर्मी मदद के लिए पहुंच गए। जेसीबी की मदद से पलटी हुई बस को सीधा किया गया और घायलों को बाहर निकाला गया। पुलिस और स्थानीय प्रशासन ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति को संभाला और राहत कार्य शुरू किया।

बारां से हुआ था युवक का अपहरण

पार्वती नदी में मिला क्षत विक्षत शव

इटावा (कोटा)। इटावा थाना क्षेत्र के मरझा गांव के पास पार्वती नदी में एक युवक का क्षत विक्षत शव मिला। मृतक की पहचान बारां के नयापुरा निवासी शाकिर सुरमा के रूप में हुई। उसका कुछ दिन पहले अपहरण हो गया था। वह आदतन अपराधी था। इटावा के डीएसपी शिवम जोशी ने बताया कि पार्वती नदी में युवक के शरीर का आधा हिस्सा मिला था। इसकी पहचान को लेकर प्रयास किए जा रहे थे। इसकी पहचान बारां से आए परिजनों ने कपड़ों और उसकी चोट के निशान के आधार पर की। डीएसपी ने बताया कि मृतक शाकिर सूरमा के मामले में बारां के कोतवाली थाने में गत 18 अगस्त को 3 युवकों के विरुद्ध नामजद अपहरण का मामला दर्ज हुआ था। इसको बारां की कोतवाली थाना पुलिस तलाश कर रही थी। मृतक के पिता जाकिर हुसैन ने बताया कि बारां के ईलू,अमजद और बिट्टू मंसूरी उसके पुत्र को एक सफेद गाड़ी में अपहरण कर ले गए थे।

एक घंटे की मशक्कत के बाद बाहर निकाला शव

रपट पार करते समय मोरेल नदी में डूबा युवक

सवाई माधोपुर। जिले के मलारना डूंगर उपखंड क्षेत्र में मायापुर डूंगरी गांव के पास मोरेल नदी में डूबने से एक युवक की मौत हो गई। मृतक युवक मायापुर डूंगरी निवासी 23 वर्षीय दिलखुश माली पुत्र हनुमान माली निवासी मायापुर डूंगरी मलारना डूंगर से अपने घर जा रहा था। इसी दौरान मोरेल नदी की रपट पार करते समय उसका पैर फिसल गया और वह मोरेल नदी में डूब गया। घटना का पता चलते ही बड़ी संख्या में ग्रामीणों की भीड़ घटनास्थल पर पहुंची और पुलिस को हादसे की सूचना दी। सूचना मिलने के बाद मलारना डूंगर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और स्थानीय ग्रामीणों की सहायता से करीब

एक घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद युवक को बाहर निकालकर मलारना डूंगर सीएचसी पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने युवक को मृत घोषित कर दिया। पुलिस ने पोस्टमार्टम करवाकर शव परिजनों के सुपुर्द कर दिया है।

केवड़ा की नाल के बोटेनिकल गार्डन में कैक्टस गार्डन का शुभारंभ

गार्डन इको टूरिज्म बढ़ाने की दिशा में अभिनव प्रयास: सांसद डॉ. रावत

बेधड़क | उदयपुर

वन एवं पर्यावरण के प्रति आमजन के जुड़ाव और जागरुकता को प्रगाढ़ करने तथा इको टूरिज्म को बढ़ावा देने के लिए मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार की ओर से निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

इसी कड़ी में झीलों की नगरी उदयपुर के केवड़ा की नाल में विकसित किए जा रहे बॉटनिकल गार्डन में शुक्रवार को लोकसभा सांसद डॉ.मन्नालाल रावत के मुख्य आतिथ्य में कैक्टस गार्डन का शुभारंभ किया गया।

सराड़ा वन रेंज के केवड़ा की नाल वन खंड अंतर्गत विकसित किए जा रहे बॉटनिकल गार्डन परिसर में सांसद डॉ.रावत ने फीता काट कर कैक्टस गार्डन का लोकार्पण किया। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए सांसद डॉ. रावत ने कहा कि बॉटनिकल गार्डन और कैक्टस गार्डन अरावली की जैव विविधता को बचाए रखने के लिए कारगर सिद्ध होंगे। यहां जनजाति समाज के गौत्र के पेड़ लगाकर स्थानीय जनजातिजनों को जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। स्थानीय प्रजाति के पेड़ों को संरक्षित करने और इससे ग्रामीणों को जोड़ने की अच्छी पहल है। अरावली अंचल में वन संरक्षण-संवर्धन के लिए विभाग द्वारा जो भी कार्ययोजना तैयार की जाएगी उसे मूर्त रूप देने के लिए पुरजोर प्रयास किए जाएंगे।

लेकसिटी में इको टूरिज्म बढ़ाने के लिए राज्य सरकार की एक और सौगात

80 से अधिक प्रजाति के कैक्टस

सांसद डॉ.मन्नालाल रावत प्रारंभ और विधायक मीणा सहित अन्य अतिथियों ने कैक्टस गार्डन का लोकार्पण करते हुए उसका अवलोकन किया। अतिथियों ने भांति-भांति के कैक्टस देखकर आश्चर्य जताया। इस दौरान उप वन संरक्षक मुकेश सैनी ने अवगत कराया कि कैक्टस गार्डन में 80 प्रजातियों के कैक्टस लगाए गए हैं, जो शोधार्थियों एवं विद्यार्थियों के लिए बहुपयोगी साबित होंगे। उन्होंने बॉटनिकल गार्डन के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि बजट घोषणा के तहत केवड़ा की नाल वन क्षेत्र के 70 हेक्टेयर एरिया में बॉटनिकल गार्डन विकसित किया जा रहा है। इसके तहत दीवार निर्माण, वाच टावर, ट्रेल, चौकडेम, केक्टस गार्डन, पाथवे के निर्माण हो चुका है। इसमें 150 प्रजाति के वृक्ष जिसमें अरावली वन क्षेत्रों में पाये जाने वाले वृक्ष शामिल हैं, वहीं कुछ वृक्ष ऐसे भी है जो अरावली वन क्षेत्र से विलुप्त प्रायः हैं। इसमें 55 प्रजाति के झाडीनुमा पौधे, लगभग 60 प्रजाति के हर्ब, 40 प्रजाति की लताएं एवं 12 प्रजाति की (मिलेट्स) मोटे अनाज के पौधे रोपित किए गए हैं। प्रत्येक वृक्ष की पहचान के लिए साइन बोर्ड लगाया गया है, जिस पर क्यूआर कोड लगाया जा रहा है। क्यूआर कोड को स्कैन करने पर वृक्ष की प्रजाति से संबंधित जानकारी उपलब्ध होगी।

अभ्यर्थियों के विरोध के चलते राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड ने लिया फैसला

अब समान पात्रता परीक्षा में नहीं होगा निगेटिव मार्किंग का प्रावधान

■ आवेदनों की संख्या में आई थी कमी, अब होगी बढ़ोतरी, अभ्यर्थियों को राहत

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश में होने वाली समान पात्रता परीक्षा (सीईटी) ग्रेजुएशन लेवल की तैयारी करने वाले अभ्यर्थियों को राहतभरी खबर आई है। अब उन्हें परीक्षा में अब निगेटिव मार्किंग का सामना नहीं करना पड़ेगा। राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से पात्रता परीक्षा की संशोधित विज्ञप्ति जारी कर दी गई है।

राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड के अध्यक्ष आलोक राज के अनुसार बोर्ड की ओर से सीईटी ग्रेजुएशन लेवल में निगेटिव मार्किंग का प्रावधान रखा गया था। स्टूडेंट्स के निगेटिव फीडबैक के बाद अब बोर्ड ने इस प्रक्रिया में बदलाव का फैसला किया है। ऐसे में अब स्टूडेंट्स बिना नेगेटिव मार्किंग सीईटी में हिस्सा ले सकेंगे।

40 प्रतिशत अंक लाना जरूरी

गत 6 अगस्त को राजस्थान कर्मचारी चयन बोर्ड की ओर से सीईटी की विज्ञप्ति जारी की गई थी। इसमें गलत जवाब देने पर एक तिहाई अंक काटने का प्रावधान था। इस प्रावधान को लेकर बड़ी संख्या में स्टूडेंट्स ने विरोध शुरू कर दिया था। सरकार के हस्तक्षेप के बाद कर्मचारी चयन आयोग ने नेगेटिव मार्किंग खत्म कर सामान्य प्रक्रिया के तहत सीईटी कराने का फैसला किया है। राजस्थान में सीईटी ग्रेजुएशन के स्कोर के आधार पर अभ्यर्थी भविष्य में होने वाली 11 भर्तियों में हिस्सा ले सकेंगे। इस बार सीईटी में अभ्यर्थियों को न्यूनतम 40% अंक लाना अनिवार्य किया गया है। इससे कम अंक आने पर उन्हें अपात्र घोषित कर दिया जाएगा। हालांकि अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति के अभ्यर्थियों को न्यूनतम अंकों में पांच प्रतिशत की छूट दी जाएगी।

सितंबर के आखिरी सप्ताह में होगी परीक्षा

सीईटी ग्रेजुएशन लेवल का आयोजन 25 से 28 सितंबर के बीच किया जाएगा। परीक्षा में शामिल होने के लिए अभ्यर्थी 9 अगस्त से 7 सितंबर तक कर्मचारी चयन बोर्ड की ऑफिशियल वेबसाइट पर जाकर अप्लाई कर सकते हैं।

Yuva स्टोरीज

रावत स्कूल में स्टूडेंट काउंसिल का चयन

जयपुर। रावत पब्लिक स्कूल, भांकरोटा की स्टूडेंट काउंसिल का चयन विधिवत संपन्न हुआ। कार्यक्रम की शुरुआत रावत एजुकेशनल ग्रुप के चेयरमैन बी एस रावत द्वारा दीप प्रज्वलन से हुई। सीनियर हेड बॉय के रूप में आर्यन वर्मा एवम हेड गर्ल के रूप में खुशबू शर्मा ,जूनियर हेड बॉय के रूप में अरनव सिंह और जूनियर हेड गर्ल के रूप में जिज्ञासा गुप्ता ने शपथ ली। रावत एजुकेशनल ग्रुप के निदेशक एवम अक्षेंद्र वेलफेयर सोसायटी के सचिव नरेंद्र सिंह रावत ने सभी पदाधिकारियों को कर्तव्य निर्वहन की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में निष्ठा, प्रगति, प्रेरणा, संस्कार हाउस के कप्तान और वाइस कैप्टन के साथ हेल्थ क्लब, कुकरी क्लब, हेरिटेज क्लब, स्पोर्ट्स क्लब, क्रिएटिविटी क्लब, इंटरग्रिटी क्लब्र, लिटरेरी क्लब, इको क्लब, साइबर क्लब के कप्तान और उप कप्तान आदि ने शपथ ली। रावत एजुकेशनल ग्रुप की निदेशक डॉक्टर अक्षिता रावत ने सभी विद्यार्थियो को कर्तव्य पथ पर अडिग रहने के लिए प्रेरित किया।विद्यालय की प्राचार्या मोनिका बोस ने सभी चयनित पदाधिकारियों को बधाई दी।

सहा. आचार्य: आर्ट-हिस्ट्री साक्षात्कार सूची जारी

अजमेर । राजस्थान लोक सेवा आयोग की ओर से सहायक आचार्य- आर्ट हिस्ट्री विषय की परीक्षा के फलस्वरूप साक्षात्कार के लिए अस्थाई रूप से सफल अभ्यर्थियों की सूची जारी की गई है। आयोग सचिव ने बताया कि इस विषय के 6 अभ्यर्थियों को साक्षात्कार के लिए पूर्णतः अस्थाई रूप से सफल घोषित किया गया है। इस विषय के प्रश्न-पत्र प्रथम एवं द्वितीय की परीक्षाओं का आयोजन 1 जून तथा प्रश्न पत्र तृतीय की परीक्षा का आयोजन 7 जनवरी को किया गया था। साक्षात्कार के लिए अस्थाई रुप से सफल घोषित किए गए अभ्यर्थियों को सूचित किया जाता है कि वे विस्तृत आवेदन पत्र आयोग की वेबसाईट से डाउनलोड कर उसे पूर्ण रुप से भरकर मय समस्त शैक्षणिक / प्रशैक्षणिक, जाति एवं अन्य वांछित प्रमाण-पत्रों की फोटो प्रति के 6 सितंबर शाम 6 बजे तक आवश्यक रुप से आयोग कार्यालय में भिजवा देवें। अभ्यर्थियों की पात्रता की जांच विज्ञापन की शर्तों के अनुसार किए जाने पर पात्र पाए गए अभ्यर्थियों को ही साक्षात्कार के लिए आमन्त्रित किया जाएगा। साक्षात्कार की तिथि के सम्बन्ध में अभ्यर्थियों को यथा समय अवगत करवा दिया जाएगा।

CA प्रकाश शर्मा करेंगे ICAI का प्रतिनिधित्व

जयपुर। आईसीएआई के केंद्रीय परिषद सदस्य और आईसीएआई के आंतरिक लेखा परीक्षा और प्रबंधन लेखा बोर्ड के अध्यक्ष सीए प्रकाश शर्मा, आईसीएआई के प्रतिनिधि के रूप में 26-27 अगस्त को सिंगापुर में आयोजित सम्मेलन में भाग लेने जा रहे हैं। इस सम्मलेन में सीए प्रकाश शर्मा सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएसी) और सिंगापुर अंतर्राष्ट्रीय मध्यस्थता केंद्र (एसआईएमसी) के साथ उपयोगी चर्चा करेंगे। इस चर्चा का प्राथमिक उद्देश्य भारतीय चार्टर्ड अकाउंटेंट्स के लिए विशेष रूप से मध्यस्थता, अन्य वैकल्पिक विवाद समाधान (एडीआर) तंत्र के क्षेत्रों में अवसरों का एक नया पूल खोलना है । साथ ही इस सम्मलेन में वैश्विक अवसरों की खोज, कौशल संवर्धन और प्रमाणन, अनुसंधान और विकास आदि विषयों पर चर्चा होगी।

उत्साह से मनाया गया राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस

कागज पर उकेरी अंतरिक्ष अनुसंधान की उपलब्धियां

बेधड़क | जयपुर

प्रदेश के शिक्षा विभाग ने स्कूलों में पहली बार शुक्रवार को राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के निर्देश दिए थे। लेकिन शिविरा कैलेंडर के चलते फिलहाल स्कूलों में फर्स्ट टर्म एग्जाम जारी हैं। ऐसे में परीक्षा और सरकारी आदेश के बीच टकराव की स्थिति देखने को मिली। इस कारण अधिकतर स्कूलों में अंतरिक्ष दिवस नहीं मनाया जा सका। भारत सरकार ने 23 अगस्त को हर साल चंद्रयान-3 मिशन की सफलता पर राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस के रूप में मनाने की घोषणा की थी। इस पर राजस्थान स्कूल शिक्षा परिषद ने शिक्षा विभाग के विभिन्न कार्यालय और विद्यालयों में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाने के निर्देश जारी किए। हालांकि ये निर्देश फर्स्ट टर्म एग्जाम के चलते पूरी तरह धरातल पर नहीं उतर पाए। हालांकि राजधानी के महाराजा स्कूल में कक्षा 12वीं के छात्रों के बीच अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। उन्हें इस दिवस के प्रयोजन को समझाते हुए कल्पना चावला और सुनीता विलियम्स के बारे में भी बताया गया। महाराजा स्कूल की प्रिंसिपल पुखराज आर्य ने बताया कि 23 अगस्त को भारत के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 को चंद्रमा पर उतरवाने की खुशी में राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस मनाया गया। वहीं भौतिक विज्ञान की व्याख्याता पार्वती गोयल ने बताया कि दिवस को सेलिब्रेट किय, आगे चलकर छात्राएं इस क्षेत्र में जा सकेंगी।

स्टूडेंट्स ने दिखाई इन प्रतियोगिताओं में प्रतिभा

निबंध लेखन प्रतियोगिता: निबंध लेखन प्रतियोगिता में प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए विद्यार्थियों को अंतरिक्ष से जुड़े विभिन्न विषयों पर विचार करने और अपने विचारों को अभिव्यक्त करने का मौका मिला। निबंधों की समीक्षा और मूल्यांकन के लिए एक विशेषज्ञ समिति का गठन किया गया, जिसमें डॉ. मनीष चांडक, डॉ. मोनिका बोला शामिल रहे। समिति ने लेखन की स्पष्टता, तथ्यात्मक सटीकता और रचनात्मकता के आधार पर निबंधों का मूल्यांकन किया।

चित्रकला प्रतियोगिता: प्रतियोगिता में विद्यार्थियों को " भारत की अंतरिक्ष यात्रा" विषय से संबंधित चित्र बनाने के लिए प्रोत्साहित किया गया। चित्रकला के माध्यम से विद्यार्थियों ने अपने विचारों को कलात्मक तरीके से प्रस्तुत किया। विषयों में "अंतरिक्ष की कल्पनाएं", "खगोलशास्त्र के अद्भुत दृश्य", और "अंतरिक्ष यान और ग्रह" शामिल थे। चित्रों का मूल्यांकन के लिए समिति गठित की। जिसमें प्रो रानी दाधीच और प्रो कृष्णा शर्मा रही।

विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच का लगा पता : 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' का आयोजन विद्यार्थियों के लिए एक ज्ञानवर्धन और प्रेरणादायक अवसर साबित हुआ। निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिताओं ने विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और कला कौशल को उजागर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इस प्रकार के आयोजनों से न केवल विद्यार्थियों की रचनात्मकता को प्रोत्साहन मिलता है, बल्कि उन्हें अंतरिक्ष विज्ञान के प्रति जागरूक भी किया जाता है। ऐसे आयोजन भविष्य में भी महाविद्यालय द्वारा नियमित रूप से किए जाने की संभावना है, ताकि विद्यार्थियों में वैज्ञानिक उत्साह और कला के प्रति प्रेम बना रहे।

केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में हुआ कार्यक्रम

केंद्रीय संस्कृत महाविद्यालय, जयपुर परिसर में 'राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस' धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर विद्यार्थियों की वैज्ञानिक सोच और रचनात्मकता को प्रोत्साहित करने के लिए दो प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। इनमें निबंध लेखन और चित्रकला प्रतियोगिता। निबंध लेखन में 22 और चित्रकला प्रतियोगिता में 16 प्रतियोगियों ने भाग लिया। इस आयोजन का उद्देश्य विद्यार्थियों को अंतरिक्ष विज्ञान की महत्वता के साथ भारत की अंतरिक्ष यात्रा के बारे में जागरूक करना और गर्व का बोध कराते हुए उनकी प्रतिभाओं को निखारना था।

राजस्थान विश्वविद्यालय में अकादमिक परिषद की बैठक में लिए गए कई निर्णय

स्नातक के छात्रों को करनी होगी इंटर्नशिप

जयपुर। राजस्थान विश्वविद्यालय अकादमिक परिषद की बैठक कुलपति प्रो. अल्पना कटेजा की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय के सीनेट हॉल में आयोजित की गई।

इस बैठक में विभिन्न अकादमिक विषयों से जुड़े विभिन्न बिन्दुओं पर व्यापक विचार विमर्श किया गया। उन्होंने विभिन्न विषयों की जानकारी दी। इनमें विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुसार स्नातक स्तर पर यू.जी.सी के दिशा निर्देशों के अनुसार छात्रों को इंटर्नशिप करना जरूरी होगा। स्नातक स्तर के छात्रों को इंटर्नशिप के लिये महाविद्यालयों को काउंसलर नियुक्त करने के संबंध में निर्णय लिया गया। विश्वविद्यालय में नई शिक्षा नीति के अनुसार संचालित किए जा रहे पाठ्यक्रमों को दृष्टिगत रखते हुये विश्वविद्यालय में पूर्व में संचालित किए जा रहे वार्षिक पद्धति के पाठ्यक्रमों के लिये अधिकतम 6 वर्ष की अवधि में पूर्ण करने के संबंध में निर्णय लिया गया। बैठक में निर्णय लिया गया कि विश्वविद्यालय में संचालित किये जा रहे एम. ए ड्रेमेटिक्स पाठ्यक्रम को मास्टर ऑफ परफॉर्मिंग आर्ट्स (एमपीए,ड्रामाटिक्स) के नाम से जाना जाएगा।

एग्री बिजनेस का भारतीय अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण योगदान

बेधड़क | जयपुर

जयपुरिया इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट में 'एग्रीबिजनेस के अवसर और चुनौतियां-2047' विषय पर राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि एसकेएन कृषि विश्वविद्यालय, जोबनेर के निदेशक डॉ. एम.एल. जाखड़ ने राजस्थान की कृषि में महत्वपूर्ण भूमिका और इसकी प्रमुख विशेषताओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने यह भी बताया कि एग्रीबिजनेस भारतीय अर्थव्यवस्था में कितना महत्वपूर्ण योगदान देगा। इस अवसर पर 'हैलो किसान फोरम' के मेंटर मुकेश गुप्ता ने कृषि को एक पारंपरिक पेशे से एग्रीबिजनेस में परिवर्तित करने की प्रक्रिया पर बात की। कार्यक्रम की शुरुआत में जयपुरिया के निदेशक डॉ. प्रभात पंकज ने भारतीय अर्थव्यवस्था में एग्रीबिजनेस के महत्व पर चर्चा की। इसके बाद 'एग्रीबिजनेस प्रबंधन में अंतर्दृष्टि' विषय पर एक पैनल चर्चा आयोजित की गई। इस चर्चा में डॉ. सुदिप्ति अरोड़ा, रिसर्च साइंटिस्ट और असिस्टेंट डायरेक्टर, डॉ. बी. लाल इंस्टीट्यूट ऑफ बायोटेक्नोलॉजी ने एग्रीबिजनेस में अपशिष्ट से संबंधित मुद्दों को उजागर किया।

वीजीयू जयपुर के एग्रीबिजनेस प्रबंधन विभाग के प्रमुख, डॉ. मुहिलन मेहंद्रन ने मानव विकास और किसानों की आर्थिक दहलीज के स्तर पर चर्चा की। ग्लोबल फोरम फॉर सस्टेनेबल रूरल डवलपमेंट के डॉ. सत्यप्रकाश मेहरा ने एग्री-टूरिज्म की भूमिका पर बात की। संयोजक डॉ. ओम कुमारी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

लीडरशिप ट्रेनिंग में कानूनों के बारे में लोगों को किया जागरूक

जयपुर। श्रमिक सहायता केंद्र एक्शन एड की ओर से डॉ. अंबेडकर वेलफेयर सोसायटी में दो दिवसीय लीडरशिप स्कूल ट्रेनिंग का आयोजन किया गया। दो दिवसीय लीडरशिप स्कूल ट्रेनिंग के दूसरे दिन उच्चतम न्यायालय जयपुर से ममता नैयर ने भारतीय दंड संहिता और नए कानून, पॉक्सो एक्ट, बाल मजदूरी और संगठन को लेकर विस्तृत चर्चा की। ट्रेनिंग में 50 महिला और पुरुषों ने भाग लिया। हम भारत के लोग अभियान से कृतिका ने संविधान के बारे में विस्तृत जानकारी दी। कार्यक्रम में केंद्र से केंद्र प्रभारी मूलचंद शर्मा, टीम से अक्षत, कोमल, कामिनी, नीलम, दीपक आदि मौजूद रहे।

ओरिएंटेशन | **अपेक्स यूनिवर्सिटी में बोट के सीएमओ ने कहा...**

चमकने के लिए केवल एक ही सफलता चाहिए: अमन गुप्ता

बेधड़क | जयपुर

मार्केटिंग का सबसे बड़ा मंत्र है, ट्रेंड्स को फॉलो करना। नए की तलाश में रहो वरना पिछड़ जाओगे। यह कहना था बोट के को फाउंडर - सीएमओ और शार्क टैंक के जज अमन गुप्ता का। अपेक्स यूनिवर्सिटी के ओरिएंटेशन कार्यक्रम - प्रारम्भ-2024 के दूसरे दिन अमन गुप्ता, अपेक्स यूनिवर्सिटी के डायरेक्टर वेदांशु जूनीवाल के साथ एक सवाल जवाब कार्यक्रम का हिस्सा बने। उन्होंने कहा कि मैं बोट को ग्लोबल ब्रांड बनाना चाहता हूँ। मेरा सपना है कि विदेशों में लोग मेरे भारतीय ब्रांड के लिए लाइनो में उसी तरह इंतज़ार करें, जैसे आज एप्पल के नए फ़ोन के लिए करते हैं। उन्होंने नए विद्यार्थियों से कहा कि जो अच्छा लगता है वही करिये, इससे काम आपको भार नहीं लगेगा। विद्यार्थियों के सवालों का जवाब देते हुए उन्होंने कहा कि बिज़नेस में ग्रोथ के लिए ब्रांड बनाने पर फोकस कीजिये।

डिग्री नहीं, स्किल्स काम आएगी

एक अन्य सवाल के जवाब में अमन गुप्ता ने कहा कि जी भर जियो और लाइफ को एन्जॉय करो। केवल डिग्री आपके काम नहीं आएगी, पढ़ाई के दौरान अपनी स्किल्स को भी तराशना ज़रूरी है। उन्होंने एक बड़ा खुलासा करते हुए कहा कि बोट जल्दी ही नेटफ्लिक्स के साथ कोलैबोरेशन करने जा रहा है। इससे पहले 208 पुस्तकें लिखने के लिए गिनीज़ बुक में अपना नाम दर्ज करने और पांच विश्वविद्यालयों के कुलपति रह चुके प्रोफेसर पी सी त्रिवेदी ने नए विद्यार्थियों को जीवन की चुनौतियों का सामना करने के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि - परिंदों ने उड़ान भरी है, पंखों का इम्तिहान अभी बाकी है।

सफलता के मंत्र चार डी के बारे में बताया

उन्होंने छात्र छात्राओं को सफलता का मंत्र देते हुए कहा कि चार डी - डायरेक्शन, डेटर्मिनेशन, डिसिप्लिन और डेडलाइन हमारे जीवन में अहम भूमिका निभाते हैं। सफलता के लिए सकारात्मक सोच रखिये , वक़्त की कद्र कीजिये और अपने कल को बेहतर बनाने के लिए अपने आप को समर्पित कर दीजिये। प्रोफेसर त्रिवेदी ने कहा कि आज लोग सम्मान करना छोड़ते जा रहे हैं। सभी की भाषा, भोजन, भाव और भजन का सम्मान अवश्य करें। अमन गुप्ता ने अपेक्स यूनिवर्सिटी की मैगज़ीन अपैक्स टुडे का विमोचन भी किया। अपेक्स यूनिवर्सिटी के चेयरपर्सन डॉ. रवि जूनीवाल ने अतिथियों का स्वागत किया। इस अवसर पर कार्यक्रम में कुलपति प्रोफ़ेसर सोमदेव शतांशु , प्रो चांसलर डॉ. खेमराज चौधरी भी मौजूद रहे। कार्यक्रम का समापन अपेक्स बैंड की विशेष प्रस्तुति के साथ हुआ।

सच बेधड़क

कीर्ति स्तम्भ

दशरथ मालावत

पड़ोसी का प्रसंग

कुछ जन्म से तो व कुछ खून के सम्बंध से रिश्ते बनते हैं। कुछ रिश्ते समान विचारधारा से दोस्ती व मित्रता के बनते हैं। आवास और करीबी निवास से परिचय के आधार पर भी एक रिश्ता बनता है, जिसे पड़ोसी नाम से सहज ही संबोधित किया जाता रहा है। पड़ोसी से सुरक्षा की भावना एवं सहयोग, सतत रूप से मिलता रहता है।

सीमित संसाधनों में जब व्यक्ति जीवन जिया करता है तो राशन व साज सामग्री उपलब्ध करवाने व छोटे - मोटे दुख-दर्द में सहयोगी की भूमिका सदैव पड़ोसी निभाते रहे हैं। पड़ोस से छोटी-मोटी सहायता लेते हुए परस्पर रिश्ते और साथ में आपसी सहयोग की भावना मजबूत बनती है। इसी के विपरीत आज के युग में पड़ोस में नाली का पानी रेम्प व चबूतरा बनाने पड़ोस में गाड़ी या अन्य संसाधन पार्किंग करने और सामान्य सुविधाओं के उपयोग को लेकर झगड़ा करते हुए भी देखे जा सकते हैं।

पुरानी कहावत है जर जमीन और जोरू के झगड़े के अतिरिक्त वर्तमान समय में परिवार का आंतरिक झगड़ा और पड़ोसियों से वैमनस्य मुकदमे दर्ज होने का का प्रमुख कारण बने हुए हैं। यही तक नहीं राष्ट्र के विषय में भी देखा जाए तो एक से दूसरे का यदि सजग पड़ोसी है तो भौतिक संसाधनों के उपयोग नदी जल पर्यावरण सुरक्षा सामरिक सहयोग आदि व प्राकृतिक आपदा में संकट में सहयोगी बनने का कार्य कर सकते हैं। इसके विपरीत यदि पड़ोसी राष्ट्र जैसा कि भारत वर्ष आजादी और विभाजन के बाद जिस परिस्थिति का सामना करता आ रहा है। पड़ोसी राष्ट्र हमारे सामरिक खर्च को बढ़ाने तथा असुरक्षा का भाव बढ़ाने के साथ-साथ आंतरिक आतंकवाद को बढ़ावा देने का कार्य कर रहा है जिससे विकास के कार्य भी प्रभावित होते रहे हैं। इसलिए पड़ोसी की गतिविधियों पर कड़ी नजर भी रखनी जरूरी है।

आज के समय में आवासीय भूखंडों में सेटबैक के नाम से झगड़ा, भूमि के छोटे आकार के आवासीय स्थल तथा मल्टी स्टोरी आवास स्थल पर मजबूरन पड़ोसी बनकर रहने के लिए तो रह रहे हैं, परंतु आपसी सद्भाव सहयोग सहानुभूति निरंतर कम होती जा रही है। पड़ोसी का प्राचीन काल से चला आ रहा महत्व उस समय सार्थक हो पाएगा जब हम उदारता सहनशीलता आपसी विश्वास की भावना को प्रबल बनाएंगे। विधाता एवं प्रकृति हमें आसपास ही रहकर जीवन जीने के लिए प्रेरित कर रहे हैं उस संदेश को सामान्य व्यक्ति नहीं समझ पा रहे। जहां पारिवारिक रिश्ता करते समय खानदान व गुण देख जाते हैं, वहीं भूमि क्रय करते समय आसपास का पड़ोस देखकर क्रय किया जाता है।

शायद इसीलिए व्यक्ति अपना निवास एवं व्यवसाय स्थल चुनते समय ध्यान रखता है कि कि पड़ोसी श्रेष्ठ तो संकट के समय पड़ोसी ही प्रथम सहयोगी बनता है। आवास स्थल के पड़ोस में यदि प्रदूषण है तो स्वास्थ्य पर विपरीत प्रभाव पड़ना स्वाभाविक है। इसी तरह पड़ोस में यदि हरियाली तथा पर्यावरण शुद्धता है तो व्यक्ति कई रोगों का प्राकृतिक निदान पा लेता है। सत्य ही कहा गया है-

आपदा में सदैव मददगार
होगा अच्छा पड़ोसी।
पड़ोसियों में झगड़ा होगा तो
छाई रहेगी खामोशी।।

X

अमित शाह, केंद्रीय गृह मंत्री
@AmitShah
मोदी सरकार ने 'आर्टिकल 370 और 35A' हटाने के बाद वर्षों से दलितों, आदिवासियों, पहाड़ियों और पिछड़ों के साथ हो रहे भेदभाव को ख़त्म करके उन्हें आरक्षण देने का काम किया। क्या राहुल गाँधी JKNC के घोषणापत्र में उल्लेखित दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त करने वाले आरक्षण विरोधी प्रस्ताव का समर्थन करते हैं? नेशनल कांफ्रेंस के साथ गठबंधन करने के बाद कांग्रेस पार्टी और राहुल गाँधी को देश के सामने अपनी आरक्षण नीति को स्पष्ट करना चाहिए।

भजनलाल शर्मा, मुख्यमंत्री, राजस्थान
@BhajanLalBJP
"RISING RAJASTHAN" इन्वेस्टमेंट समिट राजस्थान में निवेशकों के लिए बेहतर व सरल राह का कार्य करेगी और प्रदेश के युवाओं को रोज़गार के लिए नवीन मार्ग प्रशस्त करेगी।

जम्मू-कश्मीर

नए भूगोल में विधानसभा चुनाव

प्रमोद भार्गव
वरिष्ठ साहित्यकार व पत्रकार

जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019 के लागू होने के बाद इस राज्य की भूमि का ही नहीं राजनीति का भी भूगोल बदल गया।

फाइल फोटो

जम्मू-कश्मीर में आजादी के बाद पहली बार समग्र समाजों को मिले मतदान के अधिकार के साथ विधानसभा चुनाव होगा। अभी तक यहां दलित एवं जनजातीय समुदायों को मताधिकार ही प्राप्त नहीं था। जबकि अब उन्हें आरक्षण का लाभ भी मिलेगा। यहां का भू-परिदृश्य बदलने एवं धारा-370 और 35-ए हटने के बाद 18 एवं 25 सितंबर और 1 अक्टूबर को मतदान होगा। 4 अक्टूबर को चुनाव परिणाम घोषित होंगे। जहां तक केंद्र शासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर का सवाल है, वहां 10 साल बाद चुनाव होने जा रहा है। इसके पहले 2014 में चुनाव हुए थे, जिसमें किसी भी दल को बहुमत नहीं मिला था। नतीजतन भाजपा और पीडीपी ने मिलकर कुछ समय गठबंधन सरकार बनाई और चलाई। 2019 में जम्मू-कश्मीर में लागू विशेश अनुच्छेद 370 संसदीय कार्यवाही पूरी कर खत्म कर दिया गया था। इसके बाद कांग्रेस समेत कश्मीर के दो राजनैतिक-पारिवारिक दल फारुक और मुफ्ती परिवार के मुखियाओं ने घाटी में अशांति बढ़ने की आशंका जताई थी। लेकिन वहां तब से शांति की बहाली तो है ही, पर्यटन से लोगों को खूब रोजगार मिला और अर्थव्यवस्था में गति आई। कश्मीर के आम नागरिकों ने पाकिस्तान पोशित आतंकवादियों को जता दिया कि वे इस अराजकता से तंग आ चुके हैं। यह कितना विडंबनापूर्ण है कि जिस पाकिस्तान में लोकतंत्र फौज की कठपुतली बना रहकर भुखमरी के कगार पर खड़ा है, वह भारत से आतंकवाद के बहाने छायायुद्ध लड़ने से बाज नहीं आ रहा है। आशंका है कि चुनाव की घोशणा के बाद आतंकी घटनाओं की संख्या बढ़ती दिखे? लेकिन यही वह समय होगा जब कश्मीर की जनता न केवल पाकिस्तान को जवाब देगी, बल्कि कश्मीर में अलगाव और परिवारवाद का खेल खेलते रहे मुखौटाधारियों को भी सबक सिखाएगी।

25 जुलाई 2024 की स्थिति में जम्मू-कश्मीर में कुल मतदाता 87.09 लाख हैं। जो तीन चरणों में होने वाले चुनाव में मतदान कर नई सरकार चुनेंगे। 5 अगस्त 2019 को जम्मू-कश्मीर को केंद्र शासित प्रदेश घोषित करने के साथ राज्य दो हिस्सों जम्मू-कश्मीर और लद्दाख में विभाजित हो गया। जम्मू-कश्मीर को विधानसभा का दर्जा दिया गया है, जबकि लद्दाख में कोई विधानसभा नहीं है। यहां दिल्ली एवं चंडीगढ़ की तरह राज्यपाल सत्ता शक्ति के प्रमुख केंद्र रहेंगे। जम्मू-कश्मीर के बंटवारे और विधानसभा सीटों के विभाजन संबंधी पुनर्गठन विधेयक-2019 के लागू होने के बाद इस राज्य की भूमि का ही नहीं राजनीति का भी भूगोल बदल गया। नए सिरे से किए गए परिसीमन के बाद यहां 7 विधानसभा सीटों की बढ़ोत्तरी हुई है। राज्य के विभिन्न क्षेत्रों में मौजूदा आबादी और उसका लोकसभा एवं विधानसभा क्षेत्रों में प्रतिनिधित्व का आंकलन आयोग ने किया था। साथ ही राज्य में अनुसूचित व अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित सीटों को सुरक्षित करने का भी अहम निर्णय लिया। यानी सही मायनों में परिसीमन के नए परिणामों से भौगोलिक, सांप्रदायिक और जातिगत असमानताएं तो दूर हुईं ही हैं, अनुसूचित जाति व जनजातियों के लिए सीटें भी आरक्षित कर दी गई हैं।

“जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी हैं। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता हैं। लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनीयती का शिकार होता रहा है।”

अब जम्मू-कश्मीर में कुल 114 सीटें हैं, जिनमें से 90 सीटों पर चुनाव होंगे। इनमें 43 सीटें जम्मू और 47 सीटें कश्मीर में हैं। 24 सीटें गुलाम जम्मू-कश्मीर के लिए सुरक्षित हैं। जिन पर चुनाव नहीं होना है। 16 सीटें अनुसूचित जाति और जनजातियों के लिए आरक्षित की गई हैं। इनमें से सात अनुसूचित जाति और 9 अनुसूजित जनजाती के लिए सुरक्षित हैं। विधानसभा के पांच सदस्य उप राज्यपाल को मनोनीत करने का अधिकार भी दिया गया है। इनमें से दो कश्मीरी प्रवासी यानी कश्मीरी पंडित होंगे। एक गुलाम कश्मीर से विस्थापित व्यक्ति को मनोनीत किया जाएगा। दो सदस्य महिलाएं मनोनीत होंगी। कश्मीर का प्रवासी उन्हें माना जाएगा, जिन्होंने 1 नबंवर 1989 के बाद घाटी से पलायन किया हो और उनका नाम राहत आयुक्त के रजिस्टर में दर्ज हो। जो भी व्यक्ति 1947-48, 1965 और 1971 के बाद वहां से पलायन कर भारत आए हैं, उन्हें विस्थापित माना जाएगा। आजादी के बाद जम्मू-कश्मीर में ऐसा पहली बार होगा, कि वाल्मीकि, गोरखा समाज और पाकिस्तान से आए विस्थापित पहली बार मतदान करेंगे। अन्य राज्यों के ऐसे लोग भी मतदान कर सकेंगे, जिनके पास प्रदेश का अधिवास पत्र व मतदान का अधिकार है। गुज्जर-बक्करवाल और पहाड़ी क्षेत्रों में रहने वाला जनजातीय समुदाय (अनुसूचित जनजाति) के लिए 9 विधानसभा क्षेत्र आरक्षित हैं। साथ ही अनुसूचित जाति के लिए भी 7 विधानसभा क्षेत्र सुरक्शित हैं। अतएव जिन लोगों को बीते 78 साल से घाटी के मूल निवासी होने के बावजूद न तो चुनाव लड़ने का अधिकार था और न ही मतदान का। अब तक कश्मीर में एक भी सीट पर जातिगत आरक्शण की सुविधा नहीं थी, जबकि इस क्षेत्र में 11 प्रतिशत गुर्जर बक्करवाल और गद्दी जनजाति समुदायों की बड़ी आबादी निवास करती है। अब ये समुदाय बढ़-चढ़कर चुनाव में भागीदारी कर अपने अधिकारों की लड़ाई लड़ते हुए परिवार और अलगाववाद के लिए चुनौती बनते दिखाई दे सकते हैं।

जम्मू-कश्मीर में अंतिम बार 1995 में परिसीमन हुआ था। राज्य का विलोपित संविधान कहता था कि हर 10 साल में परिसीमन जारी रखते हुए जनसंख्सा के घनत्व के आधार पर विधान व लोकसभा क्षेत्रों का निर्धारण होना चाहिए। इस परिसीमन का भी यही समावेशी नजारिया रहा। जिससे बीते 10 साल में यदि जनसंख्यात्मक घनत्व की दृश्टि से कोई विसंगति उभर आई है, तो वह दूर हो जाए और समरसता पेश आए। इसी आधार पर राज्य में 2005 में परिसीमन होना था, लेकिन 2002 में तत्कालीन मुख्यमंत्री फारूख अब्दुल्ला ने राज्य संविधान में संशोधन कर 2026 तक इस पर रोक लगा दी थी। इस हेतु बहाना बनाया कि 2026 के बाद होने वाली जनगणना के प्रासंगिक आंकड़े आने तक परिसीमन नहीं होगा। परिसीमन से पहले जम्मू-कश्मीर में विधानसभा की कुल 111 सीटें थीं। इनमें से 24 सीटें पाक अधिकृत कश्मीर (पीओके) क्षेत्र में आती हैं। इस उम्मीद के चलते ये सीटें खाली रहती हैं कि एक न एक दिन पीओके भारत के कब्जे में आ जाएगा। बाकी 87 सीटों पर चुनाव होता है। अब तक कश्मीर यानी घाटी में 46, जम्मू में 37 और लद्दाख में 4 विधानसभा सीटें थीं। 2011 की जनगण्ना के आधार पर राज्य में जम्मू संभाग की जनसंख्या 53 लाख 78 हजार 538 है। यह प्रांत की 42.89 प्रतिशत आबादी है। राज्य का 25.93 फीसदी क्षेत्र जम्मू संभाग में आता है। इस क्षेत्र में विधानसभा की 37 सीटें आती थीं। दूसरी तरफ कश्मीर घाटी की आबादी 68 लाख 88 हजार 475 है। प्रदेश की आबादी का यह 54.93 प्रतिशत भाग है। कश्मीर संभाग का क्षेत्रफल राज्य के क्षेत्रफल का 15.73 प्रतिशत है। यहां से कुल 46 विधायक चुने जाते थे। इसके अलावा राज्य के 58.33 प्रतिशत वाले भू-भाग लद्दाख में संभाग में महज 4 विधानसभा सीटें थीं, जो अब लद्दाख के केंद्र शासित प्रदेश बनने के बाद विलोपित कर दी गई हैं। साफ है, जनसंख्यात्मक घनत्व और संभागबार भौगोलिक अनुपात में बड़ी असमानता थी, जनहित में इसे दूर किया जाना, एक जिम्मेवार सरकार की संवैधानिक नैतिकता थी, जिसे केंद्र सरकार द्वारा गठित आयोग ने पूरा करके संविधान और लोकतंत्र दोनों की ही रक्षा की है। जम्मू-कश्मीर का करीब 60 प्रतिशत क्षेत्र लद्दाख में है। इसी क्षेत्र में लेह आता है, जो अब लद्दाख की राजधानी हैं। यह क्षेत्र पाकिस्तान और चीन की सीमाएं साझा करता हैं। लगातार 70 साल लद्दाख, कश्मीर के शासकों की बदनीयती का शिकार होता रहा है। अब तक यहां विधानसभा की मात्र चार सीटें थीं, इसलिए राज्य सरकार इस क्षेत्र के विकास को कोई तरजीह नहीं देती थी। लिहाजा आजादी के बाद से ही इस क्षेत्र के लोगों में केंद्र शासित प्रदेश बनाने की चिंगारी सुलग रही थी। अब इस मांग की पूर्ति हो गई है। इस मांग के लिए 1989 में लद्दाख बुद्धिस्ट एसोशिएशन का गठन हुआ और तभी से यह संस्था कश्मीर से अलग होने का आंदोलन छेड़े हुए थी। 2002 में लद्दाख यूनियन टेरेटरी फ्रंट के अस्तित्व में आने के बाद इस मांग ने राजनीतिक रूप ले लिया था।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

व्यंग्य

अथ उस्ताद, जमूरा, वजन वार्ता...!

रीतेश ओमप्रकाश जोशी
व्यंग्यकार

हा उस्ताद !!!
कुछ सुना !!
क्या उस्ताद ???
देश में वजन की चर्चा चल रही है, चर्चा वजन की हो रही है, वजह की कोई नही कर रहा है।

सही है उस्ताद , किसी के वजन कम होने की चर्चा हो रही है, किसी के वजन बढ़ने की चर्चा हो रही है। संसद में वजन पर वजनदार राजनीति हो रही है। थोड़े दिन पहले तो वजनदार शादी की चर्चा चल रही थी। उस्ताद ऐसा लगता है वजन की चर्चा में खूब वजन है तभी तो मीडिया चैनल भी वजनदार केमरे उठाकर वजन की वजह को वजनदार बनाने में जुटे हैं।

जमूरे , यहा जो भी है, वो वजन की महिमा है दुनिया वजनदारो की है, जिसमे वजन होता है, या जिसकी बातो में वजन होता है, उसी में दम होता है, उसकी सब मानते है। जिसकी लाठी, उसकी भैंस, केवल लाठी से भैंस अपनी नही होती, भैंस उसी की होती है, जिसमे लाठी उठाने का वजन और चलाने का दम होता है।

हां उस्ताद , मैने भी सुना था कही, जिसकी बातो में वजन होता है वो महफिल में चिल्लाते नही है। वजनदारो को चिल्लाने की जरूरत ही नही,वजन देख ही सब समझ जाते है।

जमूरे, वजन की महिमा ही निराली है, बातो में वजन हो तो बाते सुनी जाती है, व्यक्ति में वजन हो तो वह बाते सुना देता है, अधिकारी में वजन हो तो काम कोई रुकता नही और नेता में वजन हो तो वो देश का पर्याय बन जाता है।

उस्ताद , केवल वजन से? केवल वजन से कोई देश का पर्याय कैसे बन सकता है?

जमूरे, वजन शरीर का नही, व्यक्तित्व का होना चाहिए । महात्मा गांधी का शरीर से क्या वजन होगा, पर व्यक्तित्व का वजन ऐसा कि पूरी अंग्रेज सत्ता कांपती थी। लाल बहादुर शास्त्री में वजन नैतिकता और ईमानदारी का था। चार्ली चैपलिन में वजन उनकी अदाकारी का था। शरीर के वजन से व्यक्तित्व का वजन ज्यादा होना चाहिए, तभी दुनिया आपको सही अर्थों में पूजती है वर्ना बढ़ा हुआ वजन एक बीमारी से ज्यादा कुछ नहीं है। जिसका वजन बढ़ा हुआ है, वो वजन कम करने में लगा है, कम वजन वाले वजन बढ़ाने में लगे है। कोई वजन बढ़ने से परेशान है, कोई वजन न बढ़ने से परेशान है, कोई किसी का बढ़ता राजनैतिक वजन देखकर परेशान है तो कोई अपना सामाजिक वजन बढ़ाने में लगा है । कोई अपनी जेब का वजन बढ़ाने के ऐसे चक्रव्यूह में फंसा है, कि उसके सारे रिश्तों का वजन कम होने लगा है।

सच तो यह है कि शरीर को छोड़ और किसी भी तरह का वजन आदमी कम नहीं करना चाहता। शरीर के वजन को लेकर भी कुछेक ईमानदार को छोड़ कोई शारीरिक वजनदार यह मानने को तैयार नहीं होता कि उसके शरीर का वजन बढ़ा हुआ है। हर दिन आईने के सामने खड़े होकर, सांस रोक कर खुद से यही झूठ बोलते है, कि आज वजन कुछ कम हुआ सा लग रहा है।

उस्ताद, मतलब तो यही हुआ कि वजन चाहे शरीर को या हैसियत का, नियंत्रण से परे नही होना चाहिए।

हां, जमूरे, जो नियंत्रण में है, वही हितकारी है, जो नियंत्रण से परे है वह आपदा के अतिरिक्त कुछ नही। तो जमूरे, दुनिया को वजन पर क्या बोल कर बताएगा, क्या सिखाएगा?

उस्ताद , मैं दुनिया को क्या सिखाऊंगा? दुनिया को वही सीखा, पढ़ा सकता है, जिसमे वजन हो, मैं तो खुद रोजी, रोटी और पारिवारिक जिम्मेदारियों के वजन तले दबा हुआ हूं। बस आपसे गुजारिश है, आप अपनी जेब का आज का वजन थोडा कम करिए और मेरी जेब का बढ़ा दीजिए, यह बढ़ा हुआ वजन मेरी सेहत के लिए फायदेमंद साबित होगा।

उस्ताद ने जमूरे की सोच का वजन बढ़ता देख मुस्कराते हुए उसकी जेब का वजन बढ़ा दिया।

सनातन पर्वों में जगत कल्याण की भावना समाहित

सुरेश सिंह बैस शाश्वत
स्वतंत्र लेखक

भादो के महीने में पुत्रवती महिलाओं द्वारा संतान के कुशल मंगल और उनके कल्याण की भावना से ह लषष्ठी का व्रत आज के दिन पूरी श्रद्धा के साथ रखा जाता है। आज के इस व्रत में बिना हल जोते बोई गई अनाज जिसे पसहर चावल कहते हैं (ये बिना उगाए तालाव पोखरों में उगे पौधे होते हैं जिनसे निकाले गए चावल को पसहर चावल कहते हैं) साथ ही बिना जोती बोई गई सब्जियों तथा अनिवार्य रूप से भैंस के दूध दही घी के बने भोजन को एक समय ग्रहण कर व्रत को महिलाएं पूरा करती हैं।

यह व्रत भादो मास के कृष्ण पक्ष पंचमी के दिन से ही नियमतः प्रारंभ हो जाता है। अर्थात व्रत रखने वाली महिलाएं हलषष्ठी के एक दिन पूर्व से ही दिन में एक बार भोजन ग्रहण करती हैं तथा हलषष्ठी के दिन निराहार रहकर व्रत का पूजापाठ करती हैं इसके पश्चात् एक समय व्रतानुसार यथोचित आहार ग्रहण करती हैं। व्रत की तैयारी के लिए गृहणियाँ अपने घर को यथानुसार लीप झाड़कर शुद्ध करती हैं। इसके बाद नदी तालाब या जैसी सुविधा हो वहां स्नान करती हैं। स्वच्छ और नवीन परिधान आदि पहनकर सौभाग्य (सुहाग) की सभी श्रृंगार से सज्जित हो, दोपहर बाद अपरान्ह में एक स्वच्छ स्थान में गौ के गोबर से लीपकर चौक बनाकर वहाँ हलषष्ठी देवी की पूजा सम्पन्न करते हैं। वहीं दीवारों या अलग से एक मूर्ति, हलषष्ठी देवी की बनाकर रखा जाता है। हलषष्ठी माता के चित्र में घी और सिंदूर का लेप लगाकर उसे पूजा जाता है। हलषष्ठी देवी की मूर्ति को पीढ़े में रखकर कुश या पलाश के पत्ते के आसन में पूर्व दिशा की ओर मुंह करके देवी की पूजा सम्पन्न की जाती है।

“हलषष्ठी माता के चित्र में घी और सिंदूर का लेप लगाकर उसे पूजा जाता है। हलषष्ठी देवी की मूर्ति को पीढ़े में रखकर कुश या पलाश के पत्ते के आसन में पूर्व दिशा की ओर मुंह करके देवी की पूजा सम्पन्न की जाती है।”

पहली कथाः पुराने समय में चंद्रव्रत नामक राजा का एकपुत्र था। राजा ने जनता के लिए एक तालाब खुदवाया, पर वह न जाने क्यूँ बिलकुल ही सूखा रह गया। राजा को इससे बहुत दुःख हुआ । क्योंकि उसकी प्यासी प्रजा को पानी नहीं मिल रहा था। निद्रावस्था में एक दिन राजा को स्वप्न में देव ने कहा- "राजन तुम अपने एकलौते पुत्र की बलि दोगे तभी इस तालाब में पानी भरेगा। प्रातः राजा ने स्वप्न के बारे में सभासदों से चर्चा की। सभी ने इस पर सहमति जताई पर मन से राजा अपने पुत्र की बलि देने के लिए तैयार नहीं हुआ। राजा के पुत्र को जब इस बात का पता चला तो वह स्वयं जाकर जल समाधि ले लिया। क्षणभर में तालाब लबालब भर गया। फूल खिल गए पंछी चहचहाने लगे। राजा को हलषष्ठी देवी की पूजा का ज्ञान होने पर उन्होंने रानी से यह व्रत पूरे विधिविधान से संपन्न कराया। पूजा के प्रभाव से राजा का पुत्र तालाब से सकुशल बाहर निकलकर आ गया।

दूसरी कथाः एक गांव में रेवती और मानवती नाम की दो सौतें रहती थीं। मानवती के दो पुत्र थे मगर रेवती के कोई औलाद न होने के कारण वह बच्चों के प्रति ईर्ष्या रखती थी। इसी उधेड़बुन में उसने एक दिन मानवती से कहा तुम्हारे पिता बहुत बीमार हैं। यह सुनकर वह पिता को देखने चली गई। उसके जाते ही रेवती ने मानवती के दोनों पुत्रों को मार कर फेंक दिया। उधर पिता के घर मानवनी ने हलषष्ठी देवी का व्रत रखकर देवी मां से प्रार्थना की कि मेरे बच्चों की रक्षा करना माता। हलषष्टी देवी की कृपा से मानवती के दोनों पुत्र उसी गांव के बाहर खेलते मिले।

हलषष्ठी व्रत पर्व

तीसरी कथाः एक स्थान में धनवान ग्वाला रहता था, उसकी पत्नी बडी चतुर चालाक और कंजूस थी। उसके पांच पुत्र थे। अपनी कंजूसाई के चलते वह हलषष्ठी व्रत के दिन गाय के दही को भैंस की दही कहकर सभी जगह बेच आई। इस पाप के कारण उसके पांचों पुत्र मर गए। घर आकर जब उसने देखा तो सभी लड़के मर चुके थे। वह माथा पटककर रोने लगी। पड़ोसियों ने पूछा क्या हुआ? जब उसने सभी बात बताई तो उसकी सखी ने कहा कि तुम तत्काल सभी के घर से गाय की दही लेकर भैंस की दही दे आओ ग्वालिन ने ऐसा ही किया। घर आकर ग्वालिन ने देखा कि उसके पांचों पुत्र जीवित हो उठे हैं तब से ग्वालिन ने हलषष्ठी व्रत को रखना प्रारंभ कर दिया।

चौथी कथाः दक्षिण दिशा में जंगल पहाड़ से घिरा हुआ एक गाँव था जहाँ एक धनवान भिलिन रहती थी। उसकी पाँच लड़कियाँ थी। भिलिन की एक दासी थी जिसके दो पुत्र थे। एक दिन भिलिन ने दासी को जंगल से लकड़ियां लाने को भेजा। उसके पीछे दासी के लड़कों का पड़ोस के लड़कों से झगड़ा हो गया जिसमें दासी के दोनों पुत्र मारे गए। भिलिन को यह जानकर बहुत दुःख हुआ उसने दासी के बच्चों का अंतिम संस्कार करवा दिया। इस बीच दासी जंगल से लकड़ियां लेकर लौट रही थी तो उसे रास्ते में पांच स्त्रियां हलषष्ठी देवी की पूजा करती मिली। दासी ने वहां बैठकर पूजा के विधि विधान को देखा और मन ही मन हलषष्ठी देवी की पूजा कर प्रार्थना किया। जिसके प्रभाव से उसके दोनों पुत्र जीवित हो खेलने लग गए। यह देखकर भिलिन को भी आश्चर्य मिश्रित अत्यंत प्रसन्नता हुई।

पांचवीं कथाः एक बनिया था। उसके छह पुत्र थे। पर सभी के अकस्मात मर जाने के कारण उसकी पत्नी दुःखी होकर वन में चली जाती है। वहां उसे एक ऋषि मिलते हैं जिनसे उसने रोते हुए सारी गति बताई। तब मुनि ने ध्यान लगाकर देखा और बनिया की पत्नी को बताया कि तुम्हारे पुत्र ब्रम्हलोक में हैं। फिर उन्होंने ध्यान लगाकर उसके पुत्रों से कहा कि बालको वहां तुम्हारी माता बहुत दुःखी हैं चलो! तब बालकों ने कहा कि वे उनसे दुःखी होकर आए हैं। अब हमें पाने के लिए उन्हें हलषष्ठी व्रत करना होगा, और पूजा के अंत में मेरी पीठ को पोता से मारें। इस पुण्यकार्य से मैं दीर्घायु हो जाऊंगा। उन्होंने उस स्त्री को सारी बातों से अवगत कराया जिसके अनुसार उस स्त्री ने हलषष्ठी देवी की पूजा की। जिसके प्रभाव से उसे पुनः एक लड़का होने पर पूजा के अंत में बच्चे के पीठ को पोता से मारा और वह दीर्घ जीवन को प्राप्त किया। इसी प्रकार हलषष्ठी देवी की पूजा कर द्रौपती ने उत्तरा (बहू) के साथ पूजा करके उसके गर्भ में मरे बालक को जीवित कराया। जिसका नाम परीक्षित पड़ा। वासुदेव पत्नी देवकी ने भी हलषष्ठी देवी की पूजा कर कृष्ण जैसे बालक की माता बनने का सौभाग्य प्राप्त किया।

(ये लेखक के निजी विचार हैं)

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव: एमवीए के लिए मुख्यमंत्री का चेहरा बना गुत्थी... दावे-प्रतिदावे जारी

हमारी पार्टी से कोई सीएम फेस नहीं, सत्ता बदलना प्राथमिकता: शरद पवार

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा के लिए इस साल के अंत तक होने वाले चुनाव से पहले फिलहाल महा विकास अघाड़ी (एमवीए) के सामने सीएम फेस एक गुत्थी बन गया है।

शिवसेना (यूबीटी) नेता उद्धव ठाकरे गठबंधन का सीएम फेस घोषित किए जाने की हिमायत करते रहे हैं। वहीं, शुक्रवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के अध्यक्ष शरद पवार ने कहा कि कहा कि हमारी पार्टी में कोई सीएम फेस नहीं है। पवार ने पत्रकारों के सवालों का जवाब देते हुए शरद पवार ने कहा, जहां तक मेरी पार्टी का सवाल है, मेरी पार्टी से कोई भी इच्छुक नहीं है। हम किसी को भी सीएम चेहरे के रूप में पेश नहीं कर रहे हैं। शरद पवार ने कहा कि सत्ता परिवर्तन करना हमारी पहली प्राथमिकता है, अगला मुख्यमंत्री कौन होगा, इस पर अभी से सवाल खड़े करने का कोई मतलब नहीं है। हम बस यहां सरकार में बदलाव चाहते हैं क्योंकि हम राज्य को सुशासन देना चाहते हैं। इसलिए, सीएम कौन होगा या नहीं, यह मेरे लिए सवाल नहीं है। ज्ञात रहे कि इससे पहले कांग्रेस ने भी बोल दिया है कि सीएम पद के चेहरे का विषय खत्म हो चुका है और राज्य में कई अन्य मुद्दे हैं।

ज्ञात रहे कि शरद पवार की एनसीपी विपक्षी ब्लॉक महा विकास अघाड़ी (एमवीए) का हिस्सा है, जिसमें उद्धव ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना (यूबीटी) और कांग्रेस भी शामिल हैं। इस गठबंधन ने लोकसभा चुनाव में राज्य में 48 सीटों में से 30 सीटें जीतकर प्रभावशाली प्रदर्शन किया। भाजपा, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाली शिवसेना और अजित पवार के नेतृत्व वाली एनसीपी के सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन को केवल 17 सीटों से ही संतोष करना पड़ा।

Z+ सुरक्षा... शरद पवार को जासूसी का संदेह

दूसरी ओर, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपी) के प्रमुख शरद पवार ने केंद्र सरकार द्वारा जेड प्लस सुरक्षा दिए जाने पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए कहा है कि यह उनकी जासूसी और जानकारी प्राप्त करने का एक तरीका हो सकता है,क्योंकि महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव नजदीक हैं। ज्ञात रहे कि केंद्र ने बुधवार को शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा प्रदान की थी। शरद पवार ने मीडिया के साथ बातचीत में कहा कि उन्हें इस कदम के पीछे का कारण नहीं मालूम है। पवार ने केंद्र के फैसले पर शक जरूर जाहिर किया है। उन्होंने कहा कि गृह मंत्रालय के एक अधिकारी ने मुझे बताया कि सरकार ने तीन व्यक्तियों को जेड प्लस सुरक्षा देने का फैसला किया है और मैं उनमें से एक था। मैंने पूछा कि अन्य दो कौन हैं? मुझे बताया गया कि आरएसएस प्रमुख मोहन भागवत और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह हैं? दूसरी ओर महाराष्ट्र भाजपा के प्रवक्ता प्रसाद ने कहा कि शरद पवार को जेड प्लस सुरक्षा पर राजनीति की भाषा शोभा नहीं देती है। पवार को केंद्र ने जेड प्लस सुरक्षा दी है, इसमें राजनीति न लाते हुए उन्हें केंद्र सरकार को धन्यवाद देना चाहिए। साथ ही अगर वे सुरक्षा नहीं चाहते, तो उन्हें राजनीतिक तौर पर बात करने की बजाय लिखित में कहना चाहिए।

हंगामे पर MLA मेवाणी को सदन से बाहर निकाला

अहमदाबाद। गुजरात कांग्रेस के विधायक जिग्नेश मेवाणी को विधानसभा के मानसून सत्र के आखिरी दिन शुक्रवार को बहस दौरान हंगामा करने और वेल में प्रवेश करने के लिए स्पीकर शंकर चौधरी के निर्देश पर सदन से बाहर निकाल दिया गया। स्पीकर के आदेश के बाद सार्जेंटों ने बिना बल प्रयोग किए मेवाणी को बाहर कर दिया। गुजरात पुलिस द्वारा ड्रग्स की जब्ती पर एक बहस के दौरान मेवाणी खड़े हो गए और ट्रेजरी बेंच के पास आकर चिल्लाने लगे। जिग्नेश मेवाणी गुजरात कांग्रेस कार्यकारी अध्यक्ष हैं। वह तुरंत वेल में जाकर राज्य गृह मंत्री हर्ष संघवी को राजकोट अग्निकांड, मोरबी ब्रिज हादसा और वडोदरा में नाव पलटने की घटना पर लाइव टेलीविजन पर बहस करने की चुनौती दी।

सीएम सिद्धारमैया व शिवकुमार पहुंचे दिल्ली

नई दिल्ली। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया और उप मुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार पार्टी के शीर्ष नेतृत्व के साथ विभिन्न अहम मसलों पर चर्चा के लिए शुक्रवार को दिल्ली पहुंचे। सूत्रों के मुताबिक इन बैठकों का मुख्य मकसद कथित मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण (एमयूडीए) घोटाले पर अगले हफ्ते हाईकोर्ट में होने वाली सुनवाई के लिए रणनीति तैयार करना है। ज्ञात रहे कि इस मामले में मुख्यमंत्री की पत्नी पार्वती पर 3.16 एकड़ जमीन के बदले एमयूडीए से अवैध रूप से भूखंड हासिल करने का आरोप है। वहीं, कर्नाटक के राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने इस मामले में हाल ही में सिद्धारमैया के खिलाफ मुकदमा चलाने को मंजूरी दी है। सूत्रों के मुताबिक, दिल्ली की बैठकों में कर्नाटक के भाजपा नेताओं के खिलाफ लंबित भ्रष्टाचार के मामलों पर भी चर्चा होगी।

गृह मंत्री का कांग्रेस-नेशनल कॉन्फ्रेंस गठबंधन पर तीखा प्रहार, राहुल से पूछे 10 सवाल

कांग्रेस पर सत्ता के लिए देश की एकता व सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने जम्मू कश्मीर में होने वाले विधानसभा चुनाव में कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के गठबंधन पर निशाना साधते हुए कांग्रेस नेता राहुल गांधी को घेरा है। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कांग्रेस पर सत्ता की भूख मिटाने के लिए बार-बार देश की एकता और सुरक्षा को खतरे में डालने का आरोप लगाया। इसके साथ ही कांग्रेस और राहुल गांधी से 10 सवाल भी पूछे हैं। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने जम्मू-कश्मीर चुनाव में अब्दुल्ला परिवार की नेशनल कॉन्फ्रेंस के साथ गठबंधन करके फिर से अपने मंसूबों को देश के सामने रखा है। ये दिखाता है कि उनकी नीयत ठीक नहीं है। ज्ञात रहे कि नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को जम्मू-कश्मीर विधानसभा की सभी 90 सीट पर कांग्रेस के साथ गठबंधन की घोषणा की थी। 2019 में नरेंद्र मोदी सरकार ने जम्मू-कश्मीर को विशेष दर्जा देने वाले अनुच्छेद 370 को निरस्त कर दिया था और पूर्ववर्ती राज्य को जम्मू-कश्मीर और लद्दाख के रूप में केंद्र शासित प्रदेशों में विभाजित कर दिया था। इससे पहले जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव 2014 में हुआ था।

भाजपा ने चुनाव समीकरणों पर किया मंथन प्रत्याशियों के नामों पर सीईसी करेगी मंत्रणा

नई दिल्ली। जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव को लेकर भाजपा ने तैयारी तेज कर दी है। पार्टी ने उम्मीदवारों के चयन से पहले शुक्रवार को दिल्ली में दो महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें राज्य के समीकरण और तैयारियों को लेकर विस्तृत चर्चा की गई। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी जल्द सीईसी में राज्य की 90 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा करेगी। यह चुनाव कई पहलुओं खासकर राज्यों की सुरक्षा के लिहाज से अहम है। वरिष्ठ नेता के अनुसार, जम्मू क्षेत्र भाजपा के लिए महत्वपूर्ण होने जा रहा है, क्योंकि परिसीमन के बाद विधानसभा सीटों की संख्या यहां बढ़कर 43 हो गई है। पार्टी जम्मू में अपना पूरा जोर लगाएगी। राम माधव को केंद्र शासित प्रदेश में आगामी चुनावों के लिए भाजपा चुनाव प्रभारी बनाया गया है। माधव ने 2014 में भाजपा-पीडीपी के बीच गठबंधन बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। पहली बैठक सुबह अमित शाह के आवास पर हुई। इसमें राज्य के चुनाव प्रभारी राम माधव, जी. किशन रेड्डी सहित अन्य नेता शामिल हुए। इसके बाद शाम को भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के आवास पर जम्मू-कश्मीर विधानसभा चुनाव के लिए कोर ग्रुप की बैठक हुई। सीईसी की बैठक भी जल्द होने वाली है। जेपी नड्डा के आवास पर हुई बैठक में केंद्रीय मंत्री अमित शाह और सभी कोर ग्रुप के सदस्य, जिनमें केंद्रीय मंत्री और चुनाव प्रभारी जी. किशन रेड्डी और राम माधव, राष्ट्रीय महासचिव और भाजपा जम्मू-कश्मीर प्रभारी तरुण चुघ, सह-प्रभारी आशीष सूद, जम्मू के सांसद जुगल किशोर शामिल हुए।

गृह मंत्री शाह ने यह पूछा राहुल गांधी से

- क्या कांग्रेस, नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू-कश्मीर में फिर से 'अलग झंडे' के वादे का समर्थन करती है?
- क्या राहुल गांधी और कांग्रेस अनुच्छेद 370 और 35ए को वापस लाकर जम्मू-कश्मीर को फिर से अशांति और आतंकवाद के युग में धकेलने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस कश्मीर के युवाओं के बदले पाकिस्तान के साथ वार्ता करके फिर से अलगाववाद को बढ़ावा देने का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस और राहुल गांधी पाकिस्तान के साथ सीमा पार व्यापार शुरू करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के निर्णय से फिर से सीमा पार से आतंकवाद और उसके पारिस्थितिकी तंत्र का पोषण करने का समर्थन करते हैं?
- क्या कांग्रेस आतंकवाद और पत्थरबाजी की घटनाओं में शामिल लोगों के परिजनों को फिर से सरकारी नौकरी में बहाल करके आतंकवाद, दहशतगर्दी और बंद के दौर को फिर से लाने का समर्थन करती है?
- इस गठबंधन से कांग्रेस का आरक्षण विरोधी चेहरा सामने आया है। क्या कांग्रेस दलितों, गुज्जर, बकरवाल और पहाड़ियों के आरक्षण को समाप्त कर फिर से उनके साथ अन्याय करने के नेशनल कॉन्फ्रेंस के वादे के साथ है?
- क्या कांग्रेस चाहती है कि 'शंकराचार्य पर्वत' 'तख्त-ए-सुलिमान' और 'हरि पर्वत' 'कोह-ए-मारन' के नाम से जाने जाएं?
- क्या कांग्रेस जम्मू-कश्मीर की अर्थव्यवस्था को एक बार फिर से भ्रष्टाचार की आग में झोंककर पाकिस्तान समर्थित गिने चुने परिवारों के हाथों में सौपने का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के जम्मू और घाटी के बीच भेदभाव की राजनीति का समर्थन करती है?
- क्या कांग्रेस और राहुल गांधी कश्मीर को स्वायत्तता देने की नेशनल कॉन्फ्रेंस की विभाजनकारी सोच और नीतियों का समर्थन करते हैं?

कांग्रेस की बैठक

कांग्रेस ने प्रत्याशियों के नामों पर किया मंथन

एजेंसी | नई दिल्ली

जम्मू-कश्मीर में विधानसभा चुनाव 2024 को लेकर शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में कांग्रेस की अहम बैठक हुई। जिसमें पार्टी प्रत्याशियों के नामों पर मंथन किया गया। इसके साथ ही पार्टी ने गुलाम नबी आजाद की पार्टी में वापसी की संभावना से इनकार किया है।

कांग्रेस की स्क्रीनिंग कमेटी (सीएससी) की बैठक के बाद इसके प्रमुख सुखजिंदर सिंह रंधावा ने बताया, हम पहले चरण की 24 में से नौ से 10 सीटों पर लड़ सकते हैं। इन सीटों के लिए उम्मीदवारों के नाम केंद्रीय चुनाव समिति की बैठक में तय हो जाएंगे, जिसके बाद सूची जारी हो सकती है।

गुलाम नबी आजाद की पार्टी के कांग्रेस साथ के आने की संभावना से जुड़े सवाल पर सुखजिंदर सिंह रंधावा बोले कि जो कांग्रेस छोड़ कर गए उन पर विचार नहीं करेंगे। पार्टी का साथ देने वाले कार्यकर्ताओं को ही प्राथमिकता दी जाएगी। हालांकि, पूर्व सीएम महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीडीपी को लेकर उन्होंने बताया कि दरवाजे सबके लिए खुले हैं।

अधिकतर सीटों पर सहमति, कुछ सीटों पर मतभेद : उमर

दूसरी ओर जम्मू कश्मीर के कुलगाम में पत्रकारों के साथ बातचीत के दौरान नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला ने सीटों के बंटवारे पर कहा कि अधिकतर सीटों पर हमारे बीच आम सहमति बन गई है। कुछ सीटों पर हम और कुछ सीटों पर क्षेत्रीय कांग्रेस नेता अड़े हैं। हम फिर चर्चा करेंगे और बाकी सीटों को गठबंधन की सीमा में लाने के प्रयास करेंगे और अपने उम्मीदवारों की घोषणा करेंगे।

भाजपा की आक्रोश रैली... झामुमो का अधिकार मार्च

झारखंड में विस चुनाव से पहले एजेंडा तय करने में जुटी पार्टियां

हमें इंदिरा नहीं रोक पाई, हेमंत क्या रोकेंगे : शिवराज

एजेंसी | रांची

झारखंड में शुक्रवार को भाजपा के युवा मोर्चा ने युवा आक्रोश रैली निकाली तो सत्ताधारी पार्टी झारखंड मुक्ति मोर्चा (जेएमएम) ने झारखंड अधिकार मार्च निकाला। झारखंड में इस साल के अंत में विधानसभा चुनाव होने हैं और उससे पहले राजनीतिक दल एजेंडा सेट करने की कोशिश कर रही हैं। जहां भाजपा जेएमएम सरकार पर वादे पूरे न करने का आरोप लगाते हुए उसे घेरने की कोशिश कर रही है, वहीं जेएमएम यह माहौल बना रहा है कि केंद्र सरकार ने झारखंड के साथ अन्याय किया है। भाजपा ने कहा कि झारखंड विधानसभा चुनाव में सरकार को बाहर का रास्ता दिखाए जाने में बस चंद महीने का ही वक्त बचा है। केंद्रीय मंत्री और भाजपा के झारखंड के चुनाव प्रभारी शिवराज सिंह चौहान ने जेएमएम सरकार पर निशाना साधा और कहा कि हेमंत सोरेन सरकार के कार्यकाल में आदिवासियों की जमीन घुसपैठिए हड़प रहे हैं, हर जगह खुली लूट मची हुई है। चौहान ने कहा कि हेमंत सोरेन सरकार भाजपा की जन आक्रोश रैली से डर चुकी है और भाजपा के कार्यकर्ताओं को जगह जगह रोका जा रहा है।

चौहान ने कहा कि यह अन्याय की अति है, जुल्म की पराकाष्ठा है। एक डरा हुआ मुख्यमंत्री ही ऐसा कर सकता है। उन्होंने कहा कि हेमंत सोरेन से ना झारखंड संभल रहा है ना पार्टी संभल रही। चौहान ने चेतावनी देते हुए कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता डरने वाले नहीं है। हम अन्याय के खिलाफ लड़ेंगे, हमारा कार्यकर्ता लड़ेगा। झारखंड की जनता को अहिंसतात्मक तरीके से न्याय दिलाकर रहेंगे। हेमंत सोरेन सरकार इस आंदोलन को कुचल नहीं सकती है। चौहान ने कहा कि हम लोग लोकतंत्र का पालन करने वाले लोग हैं, हमें तो इंदिरा नहीं रोक पाई तो हेमंत क्या रोकेंगे।

हमारे पास जनता का आशीर्वाद : सोरेन

दूसरी तरफ जेएमएम कार्यकर्ताओं ने झारखंड में भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र की एनडीए सरकार के खिलाफ झारखंड अधिकार मार्च निकाला। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर एक पोस्ट में लिखा कि हमारे पास जनता का आशीर्वाद है, विपक्ष को उसकी साजिश के लिए करारा जवाब दिया जाएगा। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि केवल झारखंडी ही झारखंड पर शासन करेंगे। राज्य में गुजरात और असम से आदेश लेने वाले भाजपा नेताओं का सफाया कर दिया जाएगा। सोरेन ने ये भी कहा कि भाजपा ने देशभर के युवाओं का भविष्य बर्बाद कर दिया है और अब वे 'युवा आक्रोश रैली' निकाल रहे हैं।

नीतीश ने कई राज्यों में जदयू प्रभारी बनाए

अशोक चौधरी झारखंड व श्रवण कुमार यूपी प्रभारी

एजेंसी | पटना

बिहार के मुख्यमंत्री व जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार ने पार्टी पदाधिकारियों व मंत्रियों को कई राज्यों का प्रभारी नियुक्त किया है। इनमें पांच पदाधिकारियों को एक से अधिक राज्यों की जम्मेदारी सौंपी गई है। वहीं, पूर्व सांसद शैलेश कुमार उर्फ बुलो मंडल को अतिपिछड़ा प्रकोष्ट का राष्ट्रीय अध्यक्ष बनाया गया है। मंत्री अशोक चौधरी को झारखंड, श्रवण कुमार को उत्तर प्रदेश और विधान पार्षद भगवान सिंह कुशवाहा को दिल्ली का प्रभारी नियुक्त किया

गया है। राष्ट्रीय महासचिव आफाक अहमद खान और सचिव मोहम्मद निसार को राज्यों के अलावा मुख्यालय की भी जिम्मेदारी सौंपी गयी है। शुक्रवार को जारी सूची में नीतीश कुमार के अलावा 22 नाम हैं। इनमें 19 राष्ट्रीय पदाधिकारी हैं। साथ ही दो मंत्री एक सांसद और एक पूर्व सांसद हैं।

बॉम्बे हाई कोर्ट पहुंचा बंद का मामला

हाई कोर्ट ने सियासी दलों को रोका तो MVA ने वापस लिया बंद का आह्वान

शरद पवार ने की बंद वापस लेने की अपील

एजेंसी | मुंबई

महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महा विकास आघाडी (एमवीए) ने ठाणे जिले के बदलापुर के एक स्कूल में दो बच्चियों के साथ कथित यौन उत्पीड़न के विरोध में 24 अगस्त को पूरे राज्य में बंद का आह्वान किया गया। लेकिन बॉम्बे हाई कोर्ट ने राजनीतिक दलों या व्यक्तियों को महाराष्ट्र बंद का आह्वान करने से रोक दिया है। शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने कहा है कि बॉम्बे हाईकोर्ट के फैसले का

सम्मान करते हुए वह बंद वापस ले रहे हैं, लेकिन महा विकास अघाड़ी के नेता और कार्यकर्ता पूरे राज्य में जगह-जगह मुंह पर काली पट्टी बांधकर एवं हाथों में काला झंडा लेकर प्रदर्शन करेंगे।

मुख्य न्यायाधीश डी.के. उपाध्याय और न्यायाधीश अमित बोरकर की खंडपीठ ने कहा कि महाराष्ट्र सरकार बंद को रोकने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाएगी। इस बीच, राकांपा (एसपी) प्रमुख शरद पवार ने उच्च न्यायालय के आदेश के मद्देनजर बंद का आह्वान वापस लेने की अपील की। पवार ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर एक पोस्ट में कहा, बदलापुर की घटना के मद्देनजर शनिवार को राज्यव्यापी सार्वजनिक बंद का आह्वान किया गया है। यह इस मामले पर सरकार का ध्यान आकर्षित करने का एक प्रयास था। उन्होंने कहा, हालांकि बॉम्बे हाई कोर्ट ने बंद को असंवैधानिक करार दिया है। समय की कमी के कारण हाई कोर्ट के आदेश के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट में अपील करना संभव नहीं है। भारतीय न्यायपालिका एक संवैधानिक संस्था है और दिए गए आदेश के सम्मान में बंद का आह्वान वापस लिया जाना चाहिए।

यह कहा था शिवसेना (यूबीटी)

शिवसेना (यूबीटी) ने शनिवार को महाराष्ट्र बंद का आह्वान किया है। हालांकि, उन्होंने यह भी साफ कर दिया है कि बंद सिर्फ दोपहर 2 बजे तक ही होगा। पार्टी महिलाओं और बच्चियों के खिलाफ हो रहे अपराधों के खिलाफ बंद की अपील कर रही है। संभावनाएं हैं कि महाविकास अघाड़ी के साथी कांग्रेस और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एसपर) इसमें शिवसेना (UBT) के साथ आ सकते हैं।

राज्य सरकार उठाए सभी जरूरी निवारक कदम : हाई कोर्ट

हाई कोर्ट ने कहा, हम किसी भी राजनीतिक दल या किसी भी व्यक्ति को बंद का आह्वान करने से रोक रहे हैं। राज्य सरकार सभी निवारक कदम उठाएगी। राज्य के महाधिवक्ता बीरेंद्र सराफ ने अदालत को बताया कि बंद का आह्वान अवैध है। सराफ ने कहा, राज्य सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए सभी कदम उठाएगी कि जनता या सार्वजनिक संपत्ति को कोई नुकसान न पहुंचे। राज्य अपना कर्तव्य निभाएगा, लेकिन सभी की संवैधानिक जिम्मेदारियां हैं, जिनका उन्हें पालन करना चाहिए। अदालत ने सराफ से पूछा कि सरकार ने क्या ऐहतियाती कदम उठाए हैं और क्या एहतियात के तौर पर कोई गिरफ्तारी की गई है। सराफ ने कहा कि कुछ लोगों को नोटिस जारी किए गए हैं, लेकिन अभी तक कोई गिरफ्तारी नहीं हुई है। अधिवक्ता झा और सदावर्ते ने केरल उच्च न्यायालय के एक फैसले का हवाला दिया जिसमें कहा गया था कि कोई भी राजनीतिक दल राज्यव्यापी बंद का आह्वान नहीं कर सकता है और ऐसे मामलों में हस्तक्षेप करने के लिए उच्च न्यायालय के पास पर्याप्त शक्तियां हैं।

शांतिपूर्ण विरोध दर्ज कराएंगे : पटोले

कांग्रेस की महाराष्ट्र इकाई के प्रमुख पटोले ने महाराष्ट्र बंद पर कहा कि वह अदालत के आदेश का सम्मान करेंगे, लेकिन मुंह पर काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से विरोध दर्ज कराएंगे।

PM मोदी जेलेंस्की से गले मिले, युद्ध से हुए विनाश को देखा... कंधे पर हाथ रख बताए शांति के सूत्र

युद्ध समाधान नहीं, बातचीत से निकालें हल

एजेंसी | कीव

पोलैंड के दो दिवसीय दौरे के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को एक दिवसीय ऐतिहासिक यात्रा पर यूक्रेन की राजधानी कीव पहुंचे। पीएम मोदी की रूस के साथ युद्धरत यूक्रेन की यात्रा कूटनीतिक क्षेत्रा में बहुत ही महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

यूक्रेन पहुंचने पर पीएम मोदी का यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने गर्मजोशी से स्वागत किया। दोनों नेताओं ने पहले हाथ मिलाया और फिर एक-दूसरे से गले मिले। पीएम मोदी और जेलेंस्की ने यूक्रेन के नेशनल म्यूजियम पहुंच कर युद्ध में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि भी दी। वहीं, प्रधानमंत्री ने युद्ध के दौरान मारे गए बच्चों को श्रद्धांजलि अर्पित की। इस दौरान पीएम मोदी जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे नजर आए। इस दौरान दीवार पर यूक्रेन जंग की तबाही की तस्वीर लगी थी, जिसे देख पीएम मोदी भी भावुक नजर आए। उन्होंने तब अपने साथ चल रहे यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखकर उन्हें सांत्वना और हिम्मत देने की कोशिश की। पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन युद्ध को लेकर चिंता भी जताई है। उन्होंने कहा कि युद्ध से किसी भी समस्या का हल नहीं निकल सकता है। उन्होंने शांति बहाली पर जोर देते हुए कहा कि रूस और यूक्रेन को एक साथ बैठक कर समस्या का हल निकालना चाहिए।

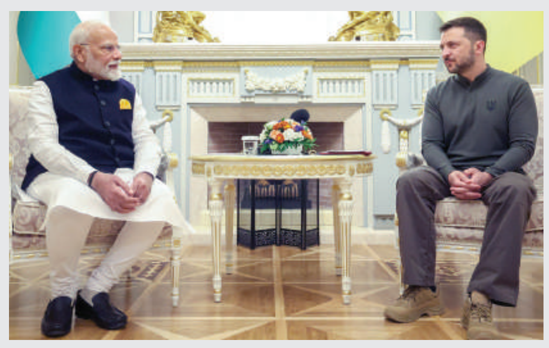

भारत एक बड़ा देश... आपका बड़ा असर पुतिन को रोक सकते हैं : जेलेंस्की

यूक्रेन के राष्ट्रपति वलोडिमिर जेलेंस्की ने कहा, भारत अपनी भूमिका निभाएगा। मुझे लगता है कि भारत ने यह पहचानना शुरू कर दिया है कि यह सिर्फ युद्ध नहीं है। यह एक व्यक्ति पुतिन का एक पूरे देश (यूक्रेन) के खिलाफ असली युद्ध है। उन्होंने कहा कि आप (भारत) एक बड़े देश हैं। आपका प्रभाव बहुत बड़ा है। आप पुतिन को रोक सकते हैं और उनकी अर्थव्यवस्था को रोक सकते हैं। उन्हें वास्तव में उनकी जगह पर ला सकते हैं। पीएम मोदी के साथ अपनी बैठक पर यूक्रेनी राष्ट्रपति ने कहा,'बहुत अच्छी बैठक हुई। यह एक ऐतिहासिक बैठक रही। मैं प्रधानमंत्री के आने के लिए उनका बहुत आभारी हूं। यह कुछ व्यावहारिक कदमों के साथ अच्छी शुरुआत है। अगर उनके (प्रधानमंत्री मोदी) पास (शांति पर) कोई विचार है तो हमें इस पर बात करने में खुशी होगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पुतिन से ज्यादा शांति चाहते हैं। समस्या यह है कि पुतिन इसे नहीं चाहते। मुझे नहीं पता कि जब उनकी बैठक हुई थी तो उन्होंने क्या बात की।

जेलेंस्की को बताया - पुतिन से क्या हुई थी बातचीत

जयशंकर ने कहा कि पीएम मोदी ने हाल ही में मॉस्को का दौरा किया था और रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ जो बातचीत हुई थी उस बारे में भी यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की को अवगत कराया। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी और जेलेंस्की के बीच अधिकांश चर्चा यूक्रेन में युद्ध के संबंध में हुई है। इस दौरान पीएम मोदी ने जोर दिया कि यूक्रेन और रूसी पक्ष को युद्ध का समाधान निकालने के लिए बातचीत करनी चाहिए।

पीएम मोदी ने राष्ट्रपति जेलेंस्की को दिया भारत यात्रा का निमंत्रण

पी एम मोदी ने जेलेंस्की को भारत आने का निमंत्रण दिया। जिसे जेलेंस्की ने स्वीकार किया। मालूम हो कि यूक्रेन जाने से कुछ समय पहले ही पीएम मोदी ने रूस का भी दौरा किया था। इस दौरान रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के साथ पीएम मोदी की एक तस्वीर खूब चर्चा में रही थी, जिसका राष्ट्रपति जेलेंस्की ने भी विरोध किया था।

गले लगाना हमारी संस्कृति का हिस्सा इसलिए पुतिन को गले लगाया

दरअसल, एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में विदेश मंत्री एस जयशंकर से पूछा गया कि रूस दौरे के दौरान पीएम मोदी ने राष्ट्रपति पुतिन को गले क्यों लगाया था, जिस विदेश मंत्री ने कहा कि यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है। उन्होंने आगे कहा कि हमारे यहां जब लोग मिलते हैं तो एक-दूसरे को गले लगाते हैं। यह आपकी संस्कृति का हिस्सा नहीं हो सकता है, लेकिन यह हमारी संस्कृति का हिस्सा है।

मोदी बोले- मैं शांति का संदेश लेकर आया हूं

उन्होंने कहा कि आज मैं यूक्रेन में 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं लेकर आया हूं। 140 करोड़ भारतीयों की भावनाएं मानवता से प्रेरित हैं। आज मैं यूक्रेन की धरती पर शांति का संदेश लेकर आया हूं। उन्होंने कहा कि हमने जो दूसरा रास्ता चुना है, वह युद्ध से दूर रहना है, हम बहुत दृढ़ता से युद्ध से दूर रहे हैं, लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि हम तटस्थ थे, हम तटस्थ नहीं थे, हम पहले दिन से ही पक्षकार रहे हैं और हमारा पक्ष है शांति, हम बुद्ध की भूमि से आते हैं जहां युद्ध के लिए कोई जगह नहीं है, हम महात्मा गांधी की भूमि से आते हैं, जिन्होंने पूरी दुनिया को शांति का संदेश दिया

भारतीय समुदाय से भी की मुलाकात

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शुक्रवार को कीव पहुंचे। 'रेल फोर्स वन' ट्रेन से सफर करते हुए प्रधानमंत्री मोदी कीव पहुंचे। उन्होंने भारतीय समुदाय के लोगों से भी बात की। मोदी ने यूक्रेन में पढ़ाई कर रहे छात्रों से भी मुलाकात की।

दोनों देशों ने चार समझौतों पर किए हस्ताक्षर

प्रधानमंत्री मोदी और यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की की मुलाकात के बाद दोनों देशों के बीच कृषि एवं खाद्य उद्योग, औषधि एवं स्वास्थ्य, सामुदायिक विकास और सांस्कृतिक आदान प्रदान के क्षेत्र में सहयोग के चार समझौतों पर हस्ताक्षर किए गए। मोदी की यात्रा की समाप्ति पर जारी एक विज्ञप्ति में बताया गया है कि कृषि और खाद्य उद्योग के क्षेत्र में सहयोग के तहत दोनों पक्ष सूचनाओं का आदान-प्रदान, संयुक्त वैज्ञानिक अनुसंधान, अनुभव के आदान-प्रदान, कृषि अनुसंधान में सहयोग, संयुक्त कार्य समूहों के निर्माण आदि के क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देकर कृषि और खाद्य उद्योग के क्षेत्र में पारस्परिक रूप से लाभकारी सहयोग का विस्तार करेंगे।

विपदा और दुख की घड़ी में भारत यूक्रेन के साथ

राजनीति खासकर कूटनीति में राजनेताओं और राजनयिकों के हाव-भाव और डायलॉग बेहद अहम होते हैं और उसमें कई संदेश के कूट छिपे होते हैं। जब 73 वर्षीय प्रधानमंत्री मोदी ने 46 साल के यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की के कंधों पर हाथ रखा तो इससे पूरी दुनिया में एक संदेश गया है कि भारत इस गंभीर विपदा, पीड़ा और दुख की घड़ी में यूक्रेन के संघर्ष और जज्बे के साथ खड़ा है। इस दौरान दोनों नेता युद्ध की विभीषिका भरी तस्वीरों को देखकर करुणामय और भावुक नजर आए। जिस वक्त पीएम मोदी जेलेंस्की के कंधे पर हाथ रखे थे, उस वक्त दोनों नेता उस तस्वीर को निहार रहे थे, जिसमें रूसी आक्रमण की वजह से एक शहर को मलबे में तब्दील होता दिखाया गया है।

भारत ने शांति बहाली में योगदान की इच्छा जताई

मोदी व जेलेंस्की की मुलाकात के बाद विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पीएम मोदी ने रूस और यूक्रेन के बीच जारी युद्ध को खत्म करने के लिए बातचीत और कूटनीति पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने शांति की शीघ्र वापसी में सभी तरीके से योगदान देने की भी भारत की इच्छा दोहराई। जयशंकर ने कहा कि भारत का मानना है कि दोनों पक्षों को समाधान खोजने के लिए एक-दूसरे के साथ बातचीत करनी चाहिए।

चार क्यूब्स भीष्म की दी सौगात

पीएम मोदी ने यूक्रेन सरकार को चार 'भीष्म (सहयोग, हित और मैत्री के लिए भारत स्वास्थ्य पहल) क्यूब्स' की सौगात दी। 'भीष्म क्यूब' में सभी प्रकार की चोटों और चिकित्सा से जुड़ी हालत में प्राथमिक स्वास्थ्य सेवा या देखभाल सुनिश्चित करने वाली दवाइयां और उपकरण शामिल हैं। इसमें बुनियादी ऑपरेशन कक्ष के लिए सर्जिकल उपकरण भी शामिल हैं जो प्रति दिन 10-15 बुनियादी सर्जरी सुनिश्चित कर सकते हैं। 'भीष्म क्यूब' में तरह-तरह की आपातकालीन चिकित्सीय हालत जैसे कि आघात लगने, रक्तस्राव होने, जल जाने, फ्रैक्चर होने, इत्यादि के लगभग 200 मरीजों का इलाज करने की क्षमता है। इसमें सीमित मात्रा में अपनी जरूरत की बिजली और ऑक्सीजन भी उत्पन्न हो सकती है। यूक्रेन की चिकित्सा टीम को 'भीष्म क्यूब' के संचालन का प्रारंभिक प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए अनेक भारतीय विशेषज्ञों की एक टीम तैनात की गई है।

जरूरी खबर

पेंशन केस: 18 मुख्य सचिवों को पेश होने का निर्देश

नई दिल्ली। अपने निर्देशों का पालन नहीं करने पर सख्त रुख अपनाते हुए सुप्रीम कोर्ट ने 18 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के मुख्य सचिवों को व्यक्तिगत रूप से पेश होने के लिए कहा है। शीर्ष अदालत ने उनसे यह बताने के लिए कहा है कि उन्होंने न्यायिक अधिकारियों को पेंशन बकाया और सेवानिवृत्ति लाभों के भुगतान पर दूसरे राष्ट्रीय न्यायिक वेतन आयोग (एसएनजेपीसी) की सिफारिशों को क्यों नहीं लागू किया है। प्रधान न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़ ने कहा, मैं देख सकता हूं कि कोई ठोस अनुपालन नहीं हुआ है। उन्हें व्यक्तिगत रूप से हमारे सामने पेश होना होगा या हम उनके खिलाफ गैर-जमानती वारंट जारी करेंगे। मामले की सुनवाई कर रही पीठ के अन्य न्यायाधीशों में जस्टिस जेबी पार्डीवाला और मनोज मिश्रा शामिल हैं। कोर्ट ने शीर्ष नौकरशाहों को सुनवाई की अगली तारीख पर 27 अगस्त को व्यक्तिगत रूप से सुप्रीम कोर्ट में पेश होना होगा।

मणिपुर पहुंचे सेनाध्यक्ष द्विवेदी सुरक्षा की समीक्षा

इंफाल। सेना अध्यक्ष जनरल उपेन्द्र द्विवेदी शुक्रवार को दो दिवसीय दौरे पर मणिपुर पहुंचे और परिचालन संबंधी तैयारियों का जायजा लिया। उनके यहां पहुंचने पर वरिष्ठ अधिकारियों वर्तमान स्थिति की जानकारी दी। पहले दिन जनरल द्विवेदी ने राज्य की विभिन्न सुरक्षा एजेंसियों के प्रमुखों के साथ बैठक की और हालातों पर चर्चा की। उन्होंने मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह के साथ एक महत्वपूर्ण बैठक की। इसमें आंतरिक सुरक्षा और मणिपुर में शांति की शीघ्र वापसी सुनिश्चित करने में भारतीय सेना और असम राइफल्स की भूमिका पर चर्चा की।

केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुनवाई टली

नई दिल्ली। दिल्ली शराब घोटाले से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की जमानत याचिका पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई टल गई है। सुप्रीम कोर्ट अब केजरीवाल की जमानत याचिका और गिरफ्तारी को चुनौती देने वाली याचिका पर 6 सितंबर को सुनवाई करेगी। दरअसल, सुनवाई से पहले सीबीआई ने जमानत याचिका के खिलाफ जवाब दाखिल कर दिया। गिरफ्तारी के खिलाफ दायर किए जाने वाला हलफनामा दाखिल करने के लिए सीबीआई ने समय मांगा, जिसकी वजह से सुनवाई टली।

इसरो ने जारी किया चंद्रयान-3 मिशन का डेटा

खुलेंगे चांद के राज, दुनियाभर के वैज्ञानिकों को होगा फायदा

एजेंसी | नई दिल्ली

भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संस्थान (इसरो) ने भारत के चंद्रयान-3 मिशन की सफलता की पहली वर्षगांठ पर शुक्रवार को मिशन से संबंधित वैज्ञानिक डेटा को विश्लेषण के लिए दुनियाभर के अनुसंधानकर्ताओं के लिए सार्वजनिक कर दिया। एजेंसी ने विक्रम लैंडर और प्रज्ञान रोवर पर लगे पांच पेलोड से हासिल 55 गीगाबाइट (जीबी) से अधिक डेटा सार्वजनिक किए हैं। पिछले साल 23 अगस्त को चंद्रयान-3 मिशन के चंद्रमा के दक्षिणी क्षेत्र पर उतरने के साथ ही भारत ने इतिहास रच दिया था।

इसरो के प्रमुख एस.एस. सोमनाथ ने यहां राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस समारोह में कहा, यह डेटा उन वैज्ञानिकों तक ही सीमित नहीं रहेगा जिन्होंने उन उपकरणों को बनाया था, बल्कि इसे विश्लेषण के लिए देश और दुनिया के सभी शोधकर्ताओं के लिए उपलब्ध कराया जाएगा। चंद्रयान-3 डेटा सेट भारतीय अंतरिक्ष विज्ञान डेटा सेंटर (आईएसएसडीसी) की नीति-आधारित डेटा पुनर्प्राप्ति, विश्लेषण, प्रसार एवं अधिसूचना प्रणाली पोर्टल पर उपलब्ध हैं।

प्रज्ञान रोवर ने चंद्रमा की सतह का स्थलीय रासायनिक विश्लेषण किया, जिससे चंद्रमा की उत्पत्ति एवं विकास की बेहतर समझ हासिल हुई है। यह जानकारी भविष्य में चंद्रमा पर अन्वेषण और संभावित संसाधन के उपयोग के लिए महत्वपूर्ण है। अहमदाबाद की भौतिक अनुसंधान प्रयोगशाला (पीआरएल) के वैज्ञानिकों ने चंद्रयान-3 के डेटा का अध्ययन करने के बाद अनुमान लगाया है कि चंद्रमा मैग्मा के विशाल महासागर से विकसित हुआ जो बाद में ठंडा हो गया

अंतरिक्ष दिवस समारोह आयोजित

राष्ट्रपति ने उपलब्धियों को सराहा

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में भारत की उपलब्धियों को असाधारण बताते हुए कहा है कि इससे एक देश के रूप में हमारी क्षमताएं बढ़ी हैं। इसके साथ ही मुर्मु ने अंतरिक्ष में बढ़ते कचरे पर चिंता जताई और कहा कि इस मामले में दुनिया को इसरो से सीखने की जरूरत है, जिसने कचरा मुक्त अंतरिक्ष अभियानों का संकल्प जताया है। भारत मंडपम में आयोजित हुए कार्यक्रम में केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह, इसरो प्रमुख एस. सोमनाथ, अनेक इंजीनियर और इसरो वैज्ञानिक तथा स्पेस उद्योग के प्रतिनिधि शामिल हुए। राष्ट्रपति ने इस अवसर पर रोबोटिक चैलेंज के विजेताओं को पुरस्कृत भी किया।

आठ अरब डॉलर की हुई स्पेस इकोनॉमी

इस अवसर पर केंद्रीय विज्ञान और प्रौद्योगिकी राज्य मंत्री डा. जितेंद्र सिंह ने कहा कि आज भारत की स्पेस इकोनॉमी आठ अरब अमेरिकी डॉलर है, लेकिन अगले दस साल में यह 44-45 अरब डालर तक पहुंच सकती है। जितेंद्र सिंह ने कहा कि हम जिस रफ्तार से आगे बढ़ रहे हैं, उसमें इस आंकड़े को पार करना मुश्किल नहीं है।

दीक्षांत समारोह के लिए भारतीय परिधान का निर्देश

छोड़ो अंग्रेजी लिबास, अब लाओ भारतीय पोशाक

एजेंसी | नई दिल्ली

केंद्र की नरेंद्र मोदी सरकार ने एम्स समेत अन्य शीर्ष संस्थानों को दीक्षांत समारोहों में भारतीय परिधान अपनाने को कहा है। केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय ने शुक्रवार को एम्स जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों सहित केंद्र सरकार द्वारा संचालित सभी चिकित्सा शिक्षण संस्थानों को निर्देश जारी किया है कि वे अपने दीक्षांत समारोहों में ब्रिटिश काल से चले आ रहे काली टोपी और काले लिबास का उपयोग न करें। माना जा रहा है कि मंत्रालय द्वारा उठाया गया यह कदम प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा रेखांकित "पंच प्रण" संकल्पों के अनुरूप है, जिसका उद्देश्य ब्रिटिश काल से जुड़ी विरासत को छोड़ना और उनकी जगह भारतीय परंपराओं को अपनाना है। पत्र में कहा गया हैं कि मंत्रालय द्वारा यह निर्णय लिया गया है कि चिकित्सा शिक्षा प्रदान करने में लगे एम्स सहित विभिन्न संस्थान अपने दीक्षांत समारोह के लिए उस राज्य की स्थानीय परंपराओं के आधार पर उपयुक्त भारतीय ड्रेस कोड तैयार करेंगे, जहां वह संस्थान स्थित है। इसके साथ ही मंत्रालय ने सभी संस्थानों से कहा है कि वे नए ड्रेस कोड का प्रस्ताव मंजूरी लेने के लिए मंत्रालय को जमा कराएं। पत्र में कहा गया है कि वर्तमान परंपरा ब्रिटिश उपनिवेशकाल की याद दिलाता है, जिसे खत्म करने की जरूरत है।

मेक्स क्रिएटिव सफर में 800 से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया

कागजी पेड़ ने बताई अपनी स्टोरी गर्ल्स सेफ्टी में दिखी क्रिएटिविटी

बेधड़क | जयपुर

कागज का पेड़ हो, न्यूज पेपर से तैयार कपड़े या हो गर्ल्स सेफ्टी के लिए तैयार डिजाइनिंग आर्टिकल। हर कोई अपनी कहानी और क्रिएटिविटी बयां कर रहा था। पेड़ ने जहां एन्वायरमेंट को बचाने की बात की तो कोलकाता इंसीडेंट के लिए तैयार क्रिएशन ने सबको भावुक कर दिया। ये अनूठा नजारा था राजस्थान इंटरनेशनल सेंटर में हुए मेक्स क्रिएटिव सफर का, जिसमें 800 से ज्यादा युवाओं ने हिस्सा लिया। इस दौरान हुए पेनल डिस्कशन में टॉप एक्सपर्ट ने युवाओं को मोटिवेट किया। इसमें फैशन डिजाइनर्स और आर्किटेक्चर से रिलेटेट सभी फील्ड और अवसरों की बारीकियां सामने आईं। फैशन डिजाइनिंग, ऑटोमोबाइल, प्रोडक्ट डिजाइन, लोगो मेकिंग आदि पर वर्कशॉप आयोजित की गईं।

एआई की चुनौतियों पर हुई चर्चा

मेक्स स्कूल ऑफ डिजाइन की डायरेक्टर रीना भाटिया ने बताया कि मेक्स क्रिएटिव सफर में एआई की चुनौतियों पर विशेषज्ञों ने चर्चा करते हुए बताया कि किसी भी टैक्नोलॉजी के दो पार्ट होते हैं। अब देखना ये होता है, कि हम सकारात्मक हिस्से को किस तरह इस्तेमाल करते हैं। इस मौके पर डिजाइनिंग फील्ड में एआई के अवसरों पर न्यू जनरेशन ने एक्सपर्ट से सवाल करते हुए जिज्ञासा शांत की। भाटिया ने बताया कि कोलकाता इंसिडेंट के लिए फांसी के फंदे से लेकर लहू को डिजाइन के रूप में शोकेस करके गर्ल्स सेफ्टी की बात की गई।

शोकेस हुए भविष्य के डिजाइन

प्रोग्राम में आरआईसी के हॉल में भविष्य के डिजाइन डिस्प्ले किए गए। आलिया और विनीता ने हॉन्टेड ड्रेस शोकेस किया। इसमें उन्होंने नेट फेब्रिक को यूज किया था। उन्होंने बताया कि ब्लेक ड्रेस को तैयार करने में एक सप्ताह का समय लगा। वहीं, कागज का पेड़ तैयार करने वाली दिव्या शेखावत ने बताया कि ये पेड़ एन्वायरमेंट बचाने का संदेश देने के लिए यहां लगाया गया है, क्योंकि ये ट्री स्वयं अपनी कहानी बयां करते हुए कह रहा है कि प्लीज सेव मी। ऐसे ही युवाओं ने न्यूज पेपर की ड्रेस बनाकर ग्रीन ड्रेस और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया।

हमारे चारों ओर हैं डिजाइन

पैनल में हिम्मत स्टूडियो से हिम्मत सिंह, पर्ल कॉलेज से ऋषभ मुंचा, आईआईडी कॉलेज से आयुष कुमार, निफ्ट से शिवानी गेरेला और पोद्दार कॉलेज से क्रितिका जैन शामिल हुए। उन्होंने बताया कि हमारे चारों ओर डिजाइन है। फिर चाहे वे फैशन में हो या ऑटो मोबाइल में या फिर किसी भी लाइफ स्टाइल प्रोडक्ट में। यही कारण है कि इस फील्ड में आने वाले समय में बहुत अवसर हैं। इस मौके पर एमिटी यूनिवर्सिटी से अमित कुमार और फैशन शो कोरियोग्राफर अभिमन्यू सिंह तोमर ने भी इंटरेक्ट किया।

काउंसलिंग में बताए अवसर

युवाओं को काउंसलिंग दी गई। उनको बताया गया कि डिजाइनिंग फील्ड का भविष्य किस प्रकार ब्राइट है। डिजाइनिंग क्षेत्र के लोगों ने कहा कि अक्सर समझ नहीं पाते हैं कि क्या करना है। ऐसे में उनको काउंसलिंग के जरिए मोटिवेट करते हुए कॅरियर गाइडेंस दी गई।

पात्रों का दृष्टिकोण समझना जरूरी

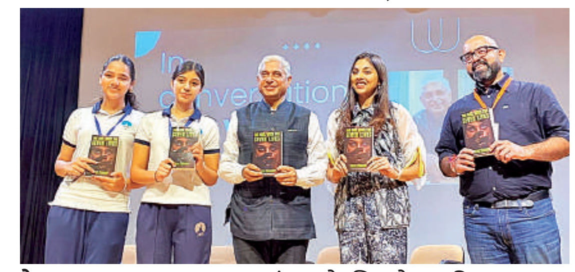

बेधड़क. जयपुर। उपन्यास 'क्यू एंड ए' के लिए लेखक विकास स्वरूप ने चर्चा की। वे आकृति पेरीवाल और सिया गुप्ता के अलावा साची सूद के साथ बातचीत कर रहे थे। चर्चा उनके नवीनतम उपन्यास 'द गर्ल विद द सेवन लाइव्स' पर केंद्रित थी। सेशन के दौरान स्वरूप ने लेखन में 'ऑथेंसिटी' और गहन रिसर्च के महत्व के साथ पात्रों के दृष्टिकोण को समझने के लिए उनकी भावनाओं और विचारों में खुद को ढाल लेने की आवश्यकता पर जोर दिया।

600 डॉक्टर जुटेंगे जयपुर में

बेधड़क. जयपुर। एण्डोक्राइन सोसायटी ऑफ राजस्थान की द्वितीय राज्य स्तरीय कॉन्फ्रेंस 24-25 अगस्त को राजस्थान इंटरनेशनल सेन्टर में होगी। कॉन्फ्रेंस में डायबिटीज, थायरॉइड एवं अन्य हार्मोन रोगों के इलाज की नई तकनीक पर देश-विदेश के 600 डॉक्टर विचार विमर्श करेंगे। मुख्य अतिथि शहरी विकास एवं आवास मंत्री झाबर सिंह खर्रा होंगे। ऑर्गेनाइजिंग

चेयरमैन डॉ. प्रकाश केशवानी और ऑर्गेनाइजिंग सेकेट्री, एसएमएस चिकित्सा महाविधालय के सह आचार्य डॉ. संजय सारण ने बताया कि कॉन्फ्रेंस में हॉर्मोन रोगों के बारे में भ्रान्तियां हैं उन पर चर्चा की जाएगी।

नुपूर ने जीती आयरनमैन काल्मर

बेधड़क. जयपुर। जयपुर की 27 वर्षीय नुपूर जानू ने हाल ही में सबसे कठिन एक दिवसीय एंड्यूरेंस स्पोर्ट्स आयरनमैन काल्मर को पूरा किया। यूरोप के स्वीडन में इसे 14 घंटे 39 मिनट में पूरा कर नूपुर ने इतिहास रच दिया। उपलब्धि के साथ वे भारत की सबसे कम उम्र की और सबसे तेज महिला प्रतिभागी बन गई। आयरनमैन काल्मर चुनौती में नूपुर ने 3.8 किमी की तैराकी, 180.2 किमी की साइकिलिंग, और 42.2 किमी की पूर्ण मैराथन दौड़ को लगातार पूरा किया। उनका आधिकारिक समय 14 घंटे 39 मिनट रहा, जिसमें तैराकी के लिए 1 घंटे 32 मिनट, साइकिलिंग के लिए 7 घंटे 24 मिनट और दौड़ के लिए 5 घंटे 08 मिनट का समय शामिल रहा।

City इवेंट्स

धन्नापीठाश्वर धाम को निमंत्रण

बेधड़क. जयपुर। नारायणी दादी सेवा संघ के सदस्यों ने चाकसू स्थित तामड़िया धाम के संत धन्नापीठाधीश्वर बजरंग देवाचार्य को वार्षिकोत्सव में आने का निमंत्रण दिया। इस दौरान उन्होंने वार्षिकोत्सव समारोह के पोस्टर का विमोचन भी किया। वार्षिकोत्सव 27 अगस्त मंगलवार को मनाया जाएगा। संघ की संस्थापिका अरुणा दीदी ने बताया कि इस बार 1300 महिलाएं सीकर रोड पर कलश यात्रा निकालेंगी। दादी जी की सेवा में लड्डुओं की भव्य झांकी सजाई जाएगी। अखंड मंगल पाठ भी किया जाएगा। इस अवसर पर अरुणा दीदी, राजेंद्र माहेश्वरी, रमेश कूलवाल, मुकेश घीया और योगेश खंडेलवाल मौजूद रहे।

'जश्न ए मिलाप' में युवा संगम आज

बेधड़क. जयपुर। हेरिटेज नगर निगम की ओर से शनिवार को युवा महोत्सव कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। प्रवाह एनजीओ के सहयोग से आयोजित युवा महोत्सव घाटगेट स्थित सोफिया स्कूल में दोपहर दो बजे से सायं सात बजे तक आयोजित किया जाएगा। जिसमें युवाओं के साथ संवाद कर सेंस्टनेबल सिटी के बारे में चर्चा की जाएगी। हेरिटेज निगम के जिला परियोजना अधिकारी अमित शर्मा ने बताया कि इस कार्यक्रम में 50 से अधिक एनजीओ शामिल होंगे। इस दौरान कई सांस्कृतिक कार्यक्रम भी होंगे, जिसमें स्कूली छात्र और कलाकार बैंड वादन करेंगे। वहीं, स्वयं सेवी सहायता समूह और हेरिटेज निगम की ओर से स्टॉल भी लगाई जाएगी।

JTCPL में मुकेश रॉयल्स ने जीता मैच

बेधड़क. जयपुर। जयपुर टेंट क्रिकेट प्रीमियर लीग शुक्रवार से सोडाला स्वेज फार्म स्थित हीरा स्पोर्ट्स अकैडमी शुरू हुई। जयपुर टेंट डीलर्स समिति की ओर से आयोजित इस प्रतियोगिता की ओपनिंग सेरेमनी में मुख्य अतिथि राजस्थान राज्य उपभोक्ता आयोग के सदस्य रामफूल गुर्जर रहे। प्रतियोगिता के संयोजक भवानी शंकर माली ने बताया कि पहला मुकाबला मुकेश रॉयल और राज फाइटर्स के बीच हुआ, जिसमें मुकेश रॉयल्स विनर रही। मैन ऑफ द मैच देवेश सैनी रहे। 10 टीमों के मैच 23 से 25 तारीख तक डे नाइट क्रिकेट बॉक्स में होंगे। फाइनल मैच 25 अगस्त को होगा, जिसमें विजेता टीम को ट्रॉफी दी जाएगी। ओपनिंग सेरेमनी में समिति ध्यक्ष गणपत लाल राजोरिया, उपाध्यक्ष शोकरण सैनी, महामंत्री अनिल शर्मा, कोषाध्यक्ष सुरेश मीणा, संयुक्त सचिव नारायण शिवानी, पूर्व अध्यक्ष सूरज सिंह शेखावत, राम रतन शर्मा और टीम ऑनर्स मौजूद रहे।

रिवाइटलाइजिंग इंडियन हेरिटेज होगी थीम

पहली बार राजस्थान के बाहर आयोजित होगी IHHA कन्वेंशन

बेधड़क | जयपुर

इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) की 23वीं एनुअल जनरल मीटिंग और 11वां एनुअल कन्वेंशन 19-20 सितंबर को तमिलनाडु के तंजौर में इंडेको होटल स्वामीमलाई, कुंभकोणम में आयोजित होगा। कन्वेंशन की थीम 'रिवाइटलाइजिंग इंडियन हेरिटेज' होगी। यह पहली बार है जब राजस्थान के बाहर किसी अन्य राज्य में आईएचएचए एजीएम और कन्वेंशन का आयोजन होने जा रहा है। कार्यक्रम का उद्घाटन केंद्रीय पर्यटन मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत और तमिलनाडु सरकार के पर्यटन मंत्री के. रामचंद्रन करेंगे। यह विचार इंडियन हेरिटेज होटल्स एसोसिएशन (आईएचएचए) के जनरल सेक्रेटरी, मेजर गज सिंह ने रखे। आईएचएचए उपाध्यक्ष स्टीव बोर्जिया कन्वेंशन के संयोजक होंगे। बोर्जिया ने बताया कि कन्वेंशन का उद्देश्य न केवल युवा पीढ़ी को लीडरशिप के लिए प्रेरित करना है, बल्कि यह देखना है कि आईएचएचए किस प्रकार विश्व भर में हेरिटेज पर्यटन को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण और सार्थक भूमिका निभा सकता है। कन्वेंशन में चर्चा होगी कि किस प्रकार हेरिटेज होटल्स को देश-विदेश में मार्केट किया जाए, जिससे देश में हेरिटेज टूरिज्म को बढ़ावा मिल सके।

रवींद्र मंच पर नाटक चंडालिका का मंचन

समाज में जाति के नाम पर शोषण मिटाने का दिया संदेश

बेधड़क | जयपुर

कला व संस्कृति विभाग और रवींद्र मंच की ओर से टैगोर थिएटर योजना में नाटक चंडालिका का मंचन किया गया। इसमें कलाकारों ने एक ऐसी लड़की प्राकृति की कहानी है, जिसे समाज अछूत चांडाल कन्या कहता है। वह अपनी मां के साथ रहती है। उसके पिता को डाकुओं ने मार डाला था। उसकी मां मत्रों से जादू टोना की क्रिया जानती है जो अपनी बेटी प्राकृति की रक्षा एवं पालन पोषण करती है। उसे कहीं भी आने-जाने की मनाई है। एक दिन प्राकृति कुएं पर पानी लेने गई वहां पर भगवान बुद्ध के शिष्य आनंद आते हैं जो बहुत प्यासे हैं।

आनंद प्राकृति से पानी पिलाने के लिए कहता है, लेकिन प्राकृति उन्हें पानी पिलाने के लिए इनकार कर देती है और पूछने पर बताती है कि वह अछूत कन्या है। इस पर आनंद प्राकृति को आत्मज्ञान की शिक्षा देते हैं। अंत में बौद्ध भिक्षु आनंद उनकी मां को पवित्र जल से जीवित कर देता है। इसमें समाज में जाति के नाम पर होने वाले शोषण व भेदभाव की लंबी दास्तां कही गई है।

कलाकारों में डॉक्टर भवयती, हितेश संघवी, मानवेंद्र सिंह, डॉक्टर उमेश सिरसाट, धन्वी अग्रवाल, निमेष दाधीच, आरोही टिकर अभिनय किया।

फोटोग्राफी के महाकुंभ | जवाहर कलाकेंद्र में हुआ आगाज

प्रोफेशनल संग ब्यूरोक्रेट्स के फोटोज में दिखे जीवन के रंग

बेधड़क | जयपुर

एक तस्वीर हजार शब्दों के बराबर होती है। खास नजरिए से कहानियों को देखते हुए कैमरे में कैद किया जाता है। तस्वीर में बंद इन कहानियों को समझने के लिए चाहिए होती है पारखी नजर।

जवाहर कला केन्द्र और राजस्थान फोटो फेस्टिवल की सहभागिता में आयोजित तीसरी इंटरनेशनल नजर फोटो एग्जीबिशन ने कला प्रेमियों को फोटोग्राफी की दुनिया से रूबरू करवाते हुए विशिष्ट नजरिया दिया। शुक्रवार को एग्जीबिशन की शुरुआत हुई।

राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी और सांसद मंजू शर्मा, जवाहर कला केन्द्र अतिरिक्त महानिदेशक प्रियंका जोधावत और पंकज ओझा ने एग्जीबिशन का उद्घाटन किया। अतिथियों में एमजेआरपी चेयरपर्सन, निर्मल पंवार, होटल सफारी पवन गोयल, जे डी माहेश्वरी, दीपक गुप्ता, अनूप श्रीवास्तव,के सी मीना, सत्येन्द्र सिंह,अरविंद पलावत मौजूद रहे।

आज सम्मान समारोह और संवाद प्रवाह

शनिवार को फोटोग्राफी के साहित्यिक पहलुओं पर प्रकाश डालने के लिए जेकेके की ओर से दोपहर तीन बजे संवाद प्रवाह का आयोजन किया जाएगा। एग्जीबिशन में पहली बार 3 फोटोग्राफर ओर 2 फोटोजर्नलिस्ट को सम्मानित भी किया जाएगा। एग्जीबिशन की संरक्षक रेणुका कुमावत ने बताया कि संस्कृति के साथ खूबसूरत तस्वीरें देखने को मिलेगी।

600 से अधिक तस्वीरें डिस्प्ले

इस मौके पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि यह फोटो प्रदर्शनी वास्तव में ऐतिहासिक है। एक साथ 650 फोटो का ऐतिहासिक कलेक्शन किया गया है। इस फोटो प्रदर्शनी में देश-विदेश के अलग-अलग क्षेत्र के इतिहास, जीवन और प्राकृतिक सौंदर्य को दर्शाया गया है। फोटो प्रदर्शनी के लिए उन्होंने आयोजकों को बधाई दी। फोटोग्राफी के महाकुंभ में 300 से अधिक फोटोग्राफर्स की 600 से अधिक तस्वीरें डिस्प्ले की गयी है। इसमें राजस्थान से बीकानेर, अलवर, जोधपुर, अजमेर,सीकर,उदयपुर, और लखनऊ, सतना, इंदौर, हिमाचल, मुंबई, पंजाब, दिल्ली,झारखंड, उड़ीसा से ओर इंटरनेशनल एंट्री से इंग्लैंड, स्पेन, यूनाइटेड किंगडम, आसट्रिया,दुबई,सिंगापुर, पेरिस,न्यूयॉर्क, साउथ अफ्रीका से भी फोटोग्राफर भाग ले रहे हैं। प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स के साथ-साथ ब्यूरोक्रेट्स की खींची गयी तस्वीरें भी यहां देखने को मिलेगी। इतिहास की झांकी दिखाने वाले 1890 के दौरे के हेरिटेज कैमरे भी यहां प्रदर्शित किए गए हैं जिन्हें देखकर सभी रोमांचित हो उठे।

नीयत ही नियति तय करती है।

विनायक शर्मा, फाउंडर एंड एडिटर इन चीफ, सच बेधड़क मीडिया ग्रुप

यूनुस सरकार का आरोप- चेतावनी बगैर डैम से पानी छोड़ा, 36 लाख लोग प्रभावित

भारत का जवाब- बांग्लादेश में बाढ़ के लिए हम जिम्मेदार नहीं

एजेंसी | ढाका/नई दिल्ली

भारतीय विदेश मंत्रालय ने बयान जारी कर कहा है कि बांग्लादेश में आई बाढ़ के लिए भारत जिम्मेदार नहीं है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "बांग्लादेश में यह अफवाह है कि बाढ़ की वजह त्रिपुरा में डंबूर बांध का दरवाजा खोलना है। यह सच नहीं है।"

मंत्रालय ने कहा कि भारत और बांग्लादेश से होकर बहने वाली गोमती नदी के आस-पास के इलाके में इस साल की सबसे ज्यादा बारिश हुई है। इस वजह से दोनों तरफ समस्या हुई है। दोनों देशों के बीच मौजूद नदियों में आने वाली बाढ़ एक साझा समस्या है, जिससे दोनों देशों के लोगों को जूझना पड़ता है। इससे निपटने के लिए दोनों देशों के सहयोग की जरूरत है। मंत्रालय ने यह भी कहा कि डंबूर बांध बांग्लादेश की सीमा से 120 किलोमीटर से अधिक दूर है। यह कम ऊंचाई (करीब 30 मीटर) का बांध है, जो बिजली पैदा करता है और वह बिजली ग्रिड में जाती है। इससे बांग्लादेश को भी त्रिपुरा से 40 मेगावाट बिजली मिलती है।

12 जिलों में बाढ़ को लेकर लगाए आरोप

दरअसल, बांग्लादेश में 12 जिलों में भीषण बाढ़ आई है। दक्षिण-पूर्वी बांग्लादेश में 36 लाख लोग बाढ़ से प्रभावित हैं। सैकड़ों घर पानी में डूब गए हैं और लोग छतों पर फंसे हुए हैं। बांग्ला अखबार प्रथोम अलो के मुताबिक बाढ़-बारिश की वजह से हुए हादसों में अब तक 12 लोगों की मौत हो चुकी है। टेली कम्युनिकेशन बंद होने की वजह से बहुत जानकारी नहीं मिल पा रही है। अंतरिम सरकार के कुछ नेता समेत खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी (BNP) के कुछ नेता भी इस बाढ़ के लिए भारत को दोषी बता रहे हैं। ढाका ट्रिब्यून के मुताबिक बांग्लादेश के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय में सलाहकार नाहिद इस्लाम ने कहा था कि भारत ने बिना चेतावनी पानी छोड़ दिया। यह अमानवीय है। BNP पार्टी के संयुक्त महासचिव रूहल कबीर रिजवी ने आरोप लगाया कि भारत ने जानबूझकर त्रिपुरा में गोमती नदी पर बने डंबूर बांध का दरवाजा खोला,जिसकी वजह से इतनी भीषण बाढ़ आई। उन्होंने कहा कि भारत को बांग्लादेश के लोगों की परवाह नहीं है।

ज्यादा बारिश की वजह से बाढ़ आई: भारत

रिपोर्ट के मुताबिक अंतरिम सरकार में मुख्य सलाहकार मुहम्मद यूनुस के प्रेस सचिव शफीकुल आलम ने कहा कि भारत का मानना है कि बांग्लादेश में पानी अपने आप आया। इसकी वजह नदी में पानी का ज्यादा होना था। त्रिपुरा के ऊर्जा मंत्री रतन लाल नाथ के मुताबिक डंबूर बांध को इस प्रकार डिजाइन किया गया है कि एक निश्चित सीमा से अधिक पानी होने पर वह खुद ही निकलने लगता है। उन्होंने सोशल मीडिया पर कहा कि बांध का कोई गेट नहीं खोला गया।

18 अगस्त को जलस्तर बढ़ने की थी चेतावनी

प्रथोम अलो के मुताबिक 18 अगस्त को बांग्लादेश के बाढ़ पूर्वानुमान एवं चेतावनी केंद्र ने सिर्फ इतना कहा था कि नदियों में जलस्तर बढ़ेगा। भारत के बाढ़ पूर्वानुमान और चेतावनी केंद्र ने भी ऐसी कोई जानकारी नहीं दी। नतीजा यह हुआ कि बांग्लादेश का पूर्वी हिस्सा अचानक आई भीषण बाढ़ से तबाह हो गया। रिपोर्ट के मुताबिक भारत ने माना है कि त्रिपुरा में बारिश के कारण बिजली गुल हो गई थी, जिसकी वजह से कम्युनिकेशन में दिक्कतें आईं।

नेपाल में बड़ा हादसा: भारतीय यात्रियों की बस नदी में गिरी

14 लोगों की मौत, 16 बचे

एजेंसी | काठमांडू

नेपाल में बड़ा हादसा हुआ है, इस दुर्घटना में 14 लोगों की मौत होने की खबर है। नेपाल पुलिस ने बताया है कि शुक्रवार को 40 लोगों से भरी एक बस तनाहुन जिले में हाईवे से करीब 150 मीटर नीचे मार्स्यांगदी नदी में गिर गई। इस बस में सवार यात्री भारत के थे।

तनाहुन में जिला पुलिस कार्यालय के डीएसपी दीपकुमार राया ने बताया है कि बस पोखरा से काठमांडू की ओर जा रही थी। पुलिस के मुताबिक बस का नंबर यूपी एफटी 7623 है। बताया जा रहा है कि अब तक 14 लोगों के शव निकाले गए हैं, वहीं 16 लोगों को बचा लिया गया है। स्थानीय मीडिया के मुताबिक हादसे के बाद स्थानीय प्रशासन और बचाव दल मौके पर पहुंच गए हैं। दुर्घटना स्थल पर राहत और बचाव का काम जारी है। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक (एसएसपी) माधव पौडेल के नेतृत्व में नेपाल सेना की एक टीम, 45 एपीएफ (सशस्त्र पुलिस बल) के जवान और 10 गोताखो दुर्घटनास्थल पर पहुंच चुके हैं और बचाव अभियान जारी रखे हुए हैं। 23 नंबर बटालियन, भानू, तनाहुन के 35 एपीएफ जवान भी बचाव अभियान में शामिल हैं।

मरने वालों की संख्या बढ़ने का अंदेशा

ऐसी आशंका है कि मरने वालों की संख्या में इजाफा हो सकता है। नेपाल में बीते महीने, जुलाई में भी बड़ा हादसा हुआ था, जब चितवन जिले में दो बस भूस्खलन के मलबे के साथ नदी में बह गई थीं। यह घटना चितवन जिले के नारायणघाट-मुगलिंग मार्ग पर सिमलताल इलाके में हुई थी। नेपाल में बरसात के मौसम में सड़क हादसों की संख्या में बढोतरी देखी जा रही है। बीते कुछ समय में नेपाल में लगातार बारिश और भूस्खलन की वजह से हादसे हुए हैं।

गोरखपुर से 3 बसें गईं नेपाल

इस हादसे को लेकर महाराष्ट्र सरकार में मंत्री गिरीश महाजन ने कहा कि नेपाल यात्रा पर गए सभी लोग महाराष्ट्र के भुसावल के धरनगांव इलाके के रहने वाले थे. वे पर्यटन के उद्देश्य से नेपाल गए थे। सभी लोग गोरखपुर से बसों के जरिए रवाना हुए थे। उन्होंने कहा कि पोखरा से काठमांडू के लिए 3 बसें निकलीं। इनमें 104 लोग सवार थे। इन तीन बसों में से एक बस मर्स्यांगदी नदी में गिर गई।

मलेरिया होगा कंट्रोल!

एक एप से होगी मच्छरों की पहचान

एजेंसी | वाशिंगटन

मलेरिया को फैलने से रोकने के मच्छरों की पहचान जरूरी है। युगांडा जैसे देशों में स्वास्थ्यकर्मियों को दूरदराज जगहों पर जाकर मच्छरों को कलेक्ट करने लाना होता है, ताकि लैब में उनकी स्पीसीज की पहचान की जा सके। अब मच्छरों की प्रजाति को पहचानना बेहद आसान हो गया है।

अब VectorCam नाम का एप मच्छर की फोटो से ही इसकी प्रजाति का पता लगा देता है। अमेरिका की हॉपकिंस यूनिवर्सिटी के बायोइंजीनियर्स की एक टीम ने यह एप डेवेलप किया है। इस एप से कोई भी स्मार्टफोन कैमरा लेंस के जरिए मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों की अलग-अलग प्रजाति की पहचान कर सकता है।

बिल गेट्स ने की तारीफ

बता दें कि मलेरिया फैलाने वाले मच्छर genus Anopheles स्पीसीज से ताल्लुक रखते हैं। इस एप के डेवेलपर्स को गेट्स फाउंडेशन, Makerere University और युंगाडा की सरकार से फंडिंग मिली थी। माइक्रोसॉफ्ट के को-फाउंडर बिल गेट्स ने एक ब्लॉग पोस्ट में VectorCam को 'ज्ञानवर्धक इनोवेशन' करार दिया और कहा कि युगांडा के कुछ हिस्सों में मलेरिया फैलाने वाले मच्छरों को खत्म करने में ही ऐप पहले से ही काफी उपयोगी साबित हो रहा है। युगांडा में फिलहाल इस एप का परीक्षण किया जा रहा है।

पंखों की आवाज से मच्छर की पहचान

मच्छरों की फोटो को स्कैन करके, यह एप मच्छर के लिंग जैसी जानकारी मुहैया कराता है। इसके अलावा एप से यह भी पता चलता है कि मच्छर है हाल ही में खून पिया है या फिर अंडे भी डेवेलप किए हैं। ब्लॉग पोस्ट के मुताबिक वेक्टरकैम संभावित रूप से उन मच्छरों की प्रजातियों की भी पहचान कर सकता है जो डेंगू और जीका जैसी अन्य वेक्टर जनित बीमारियों को फैलाते हैं। इसके अलावा बिल गेट्स ने मच्छरों की निगरानी करने वाले एक और एप HumBug का जिक्र भी किया है।

इटली में 3 दिन पहले समंदर में डूबा था लग्जरी याट

ब्रिटेन के बिल गेट्स का शव मिला, बेटी की भी मौत

एजेंसी | रोम

इटली में सिसिली आइलैंड के पास सोमवार को तूफान की वजह से बेयेसियन नाम का एक लग्जरी याट डूब गया था। 184 फीट लंबा बेयेसियन याट समुद्र में 50 मीटर की गहराई में मिला था। गोताखोरों को 5 लोगों का शव मिला है। जिन लोगों का शव मिला है, उनमें ब्रिटेन के बिल गेट्स कहे जाने वाले मशहूर सॉफ्टवेयर बिजनेसमैन माइक लिंच और उनकी 18 साल की बेटी हैना भी शामिल हैं। याट पर मॉर्गन स्टेनली इंटरनेशनल के प्रेसिडेंट जोनाथन ब्लूमर और उनकी पत्नी भी सवार थे। उनकी मौत की पुष्टि नहीं हो पाई है। रात होने की वजह से रेस्क्यू रोक दिया गया। गोताखोरों ने कहा कि वे गुरुवार को भी शव को निकालने की कोशिश करेंगे। बेयेसियन याट पर अमेरिका, ब्रिटेन और कनाडा के 12 क्रू मेंबर समेत 22 लोग सवार थे। याट के डूबने के बाद 15 लोगों को बचा लिया गया था। एक शख्स की तभी मौत हो गई थी।

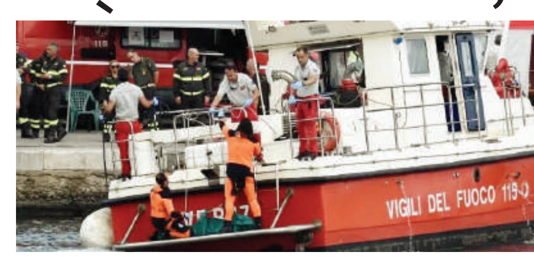

याट के डूबने पर खड़े हुए सवाल

बेयेसियन याट सिसली की राजधानी पलेर्मो से करीब 18 किमी दूर लंगर डाले खड़ा था। इसके डूबने के बाद सवाल उठने लगे हैं कि ये इतनी जल्दी कैसे डूब गया, जबकि पास में मौजूद दूसरे याट को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। रिपोर्ट्स में कहा गया है कि हवाओं के कारण याट का एक मास्ट (मस्तूल) टूट गया, जिससे याट का संतुलन बिगड़ गया और वह पलट गया।

सृष्टिविनायक एंटरटेनमेंट मीडिया प्राइवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक व प्रकाशक मिताली यादव द्वारा सच बेधड़क दैनिक हिन्दी अखबार, 34/16-ए, शिप्रा पथ, मानसरोवर, जयपुर-302020 (राजस्थान) से प्रकाशित एवं भास्कर प्रिंटिंग प्रेस, शिवदासपुरा, रेलवे क्रॉसिंग टोंक रोड, जयपुर (राजस्थान) से मुद्रित।
संपादक: विनायक शर्मा*, **फोन नं. :** 9664014179 (ऑफिस), **ई-मेल:** news@sachbedhadak.com, **RNI No. :** RAJHIN/2021/82557 *समाचार चयन के लिए पी.आर.बी. एक्ट के तहत जिम्मेदार।

दैनिक हिन्दी अख़बार
सच बेधड़क

"सच बेधड़क" दैनिक हिन्दी अख़बार की प्रति PDF के माध्यम से मुफ़्त प्राप्त करने के लिए इस लिंक पर Click कीजिए

Telegram

https://rb.gy/3bkrnl